

नीतीश कुमार के सुशासन और न्याय के साथ विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही एनडीए सरकार : विजय

■ **जनसुनवाई में उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने सुनीं आमजनों की समस्याएं**

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आमजन एवं कार्यकताओं की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध एवं त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान



बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य उपस्थित रहे। इस मौके पर उप-मुख्यमंत्री ने सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी कहा कि प्रदेश की जनता ने जिस भरोसे के

साथ एनडीए को जनादेश दिया था, सरकार उसके अनुरूप काम कर रही है और अपने कार्यों से अपनी विश्वसनीयता को प्रमाणित किया है।

विकास कार्यों को गति देने के क्रम में मुख्यमंत्री ने कल केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य के लिए कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाई है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते 20 वर्षों के शासनकाल में बिहार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं और वर्ष 2025-30 के लिए उनके नेतृत्व में एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश मिला है। सम्राट चौधरी ने कई बार सार्वजनिक मंचों से यह दोहराया है कि एनडीए सरकार माननीय श्री नीतीश कुमार के सुशासन और न्याय के

साथ विकास के रास्ते पर ही आगे बढ़ रही है और बिहार की जनता भी इस बात को गहराई से महसूस कर रही है। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ और सूखे, दोनों ही विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। संभावित खतरों को देखते हुए संवेदनशील तटबंधों को पूरी तरह सुरक्षित कर लिया गया है। साथ ही, प्रभावित क्षेत्रों के लिए पर्याप्त मात्रा में आवश्यक राहत सामग्रियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। वहीं, दूसरी ओर सूखे को स्थिति में किसानों के लिए सिंचाई के पानी की व्यवस्था को लेकर भी सरकार गंभीर है। इस दिशा में गंगा और गंडक नदियों के अतिरिक्त पानी को लिफ्ट कर जलाशयों में संचित करने के लिए सरकार प्रतिबद्धता है।

बिहार संग्रहालय की विश्व पटल पर अलग पहचान : मंत्री

■ **कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री ने 9 सहायक संग्रहालयाध्यक्षों को सौंपे नियुक्ति-पत्र**

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा है कि बिहार के संग्रहालय की पहचान पूरी दुनिया में बेहद खास है। यहां मौजूद अलग-अलग संग्रहालय अपनी विभिन्न खासियतों के लिए जाने जाते हैं। मंत्री मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में नवनियुक्त 9 सहायक संग्रहालयाध्यक्षों को नियुक्ति पत्र सौंप रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस पहल से राज्य के संग्रहालय बेहद मजबूत होंगे और उनका संरक्षण सही तरीके से हो सकेगा। मंत्री ने इसे खास पहल बताते हुए कहा कि राज्य में कुल 26 संग्रहालय हैं, जिनमें पिछले कई वर्षों से बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े थे। इस मामले में सज्जान लेते हुए विभागीय अधिकारियों ने नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र पुर कर लिया। मंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारी सच्ची लगन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।



इन्हें मिला नियुक्ति पत्र

विभाग की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार नियुक्ति पत्र पाने वाले अधिकारियों को राज्य के विभिन्न संग्रहालयों एवं सांस्कृतिक संस्थानों में पदस्थापित किया गया है। श्री शालु आनंद को वैशाली स्थित बुद्ध स्मृत्क दर्शन संग्रहालय सह स्मृति स्तूप, सुजीत तिवारी को रामचंद्र शाही संग्रहालय मुजफ्फरपुर, अमित रंजन को गया संग्रहालय, सुधा सिंह को बक्सर के सीताराम उपाध्याय संग्रहालय और जगदीशपुर के बाबू वीर कुंवर सिंह स्मृति संग्रहालय, डॉ. सुमन कुमारी को नवादा के नारद संग्रहालय, दीपा चौहान को छपरा संग्रहालय, रविकांत कुमार को दरभंगा के चंद्रधारी संग्रहालय, दिलीप कुमार को लखीसराय संग्रहालय और रीता कुमारी को बेगूसराय संग्रहालय की जिम्मेवारी सौंपी गई है। इस मौके पर विभाग के सचिव प्रणव कुमार, सांस्कृतिक निदेशालय की निदेशिका रुबी, संग्रहालय निदेशक कृष्ण कुमार, उप सचिव महमूद आलम समेत अन्य मौजूद रहे।

बिहार का संग्रहालय विश्वभर में अपनी अलग पहचान रखता है।

सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल : तेजस्वी

■ **बोलें- टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में बढोतरी से आम आदमी का जीना मुहाल**

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र और बिहार की एनडीए सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर लगातार तीखे हमले किए हैं। उनका आरोप है कि सरकार की गलत नीतियों के कारण आम जनता त्रस्त है और सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। तेजस्वी यादव ने कहा



है कि टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में बढ़ोतरी ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है। पेट्रोल-डीजल व एलपीजी गैस की कीमतों ने पहले ही बजट बिगाड़ रखा है और अब खाने-पाने की आवश्यक चीजों जैसे दाल, आटा, सब्जी, तेल की बढ़ी

कीमतों से जनता त्रहिमाम कर रही है। आम नागरिक एनडीए संपोषित जमाखोरी, कालाबाजारी, महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के दुष्क्रम में फंसे है जिससे उनका दैनिक जीवन और बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। वोट चोरी से बनी एनडीए सरकार की अदूरदर्शी सोच, पुंजीपरस्त नीतियां और जनविरोधी निर्णयों से जनता में भारी आक्रोश है। तेजस्वी ने आगे कहा कि एनडीए नेता सरकारी संसाधनों की लूट, भ्रष्टाचार और चंद चोरी में व्यस्त और जस्त है। बीजेपी सभी समस्याओं की मजद तथा इनके झूठे, बड़बोले, अनैतिक, भ्रष्ट, जुमलेबाज नेता देशवासियों की सब परेशानियों के मूल कारण है।

अति पिछड़ा नेतृत्व को उभारेगी कांग्रेस: राजेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में मंगलवार को कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में अति पिछड़ा वर्ग की राजनीतिक भागीदारी, संगठनात्मक सशक्तीकरण और नेतृत्व विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश का विशेष अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन में अति पिछड़ा वर्ग को उनकी जनसंख्या के अनुपात में उचित भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कांग्रेस सामाजिक न्याय, समान अवसर और सभी वर्गों की सम्मानजनक भागीदारी को पक्षधर रही है और आगे भी इसी दिशा में कार्य करती रहेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि किसी भी समाज की अनदेखी करना सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से अपराध है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता का दायित्व है कि समाज के हर वर्ग को सम्मान, अवसर और संगठन में उचित प्रतिनिधित्व



मिले। पूर्व विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति कर रही है, जबकि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ लेकर सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। बैठक में कांग्रेस सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद, विधायक मनोज विश्वास, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव , इंजीनियर कमल कमलेश , बैद्यनाथ शर्मा, पंकज यादव, अनुराग चंदन ,हीरा सिंह बग्गा , उदय शंकर पटेल जितेंद्र नाथ पटेल , सुरेश मुखिया, नदीम अंसारी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। राजेश राठौड़- चेरमैन, मीडिया विभाग,बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ मोहिबुल हक ने किया पदभार ग्रहण



■ **बिहार भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनि्युक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहिबुल हक ने हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में संगाला दायित्व**

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा, बिहार प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनि्युक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहिबुल हक ने आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित भाव्य समारोह में विधिवत अपना दायित्व ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे हजारों अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। पूरे परिसर में उत्साह और संगठनात्मक ऊर्जा का

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद :-

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राजू झा, मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तुफेल कादरी, कमरुजमा अंसारी, खालिद कमाल एवं राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी नूर आलम हवारी, प्रदेश महामंत्री नौशाद अहमद, पटना महानगर मोर्चा अध्यक्ष अरसी अजीज, प्रदेश मीडिया प्रभारी मो रमीज राजा, फिरोज शाकरी, दिलशाद, फैयाज मंसूरी, शिवा केशर, जैबा खान, कुरबान शेख, फैयाज काजमी, नूरजहाँ, खुशबू प्रवीण, साकिब जमानी, तनवीर हवारी, हाशिम बखो, मो0 तौफिक, फैजान अहमद, सरदार उपकार सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दायित्व ग्रहण के बाद मोहिबुल हक ने सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

वातावरण देखने को मिला। समारोह में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने नवनि्युक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहिबुल हक को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके

पांच खनिज विकास अधिकारी और एक निम्नवर्गीय लिपिक को मिला नियुक्ति पत्र

■ **खान एवं भूतत्व मंत्री ने सौंपे नियुक्ति पत्र**

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। खनिज विकास अधिकारी के पद पर चयनित 05 अभ्यर्थियों सहित अनुकंपा पर नियुक्त 01 निम्नवर्गीय लिपिक को खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने मंगलवार को कार्यालय कक्ष में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस

गरीबों, वंचितों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना निशांत कुमार का लक्ष्य : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार द्वारा पटना के दरियापुर भट्टी में आधुनिक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करना केवल एक नई स्वास्थ्य सुविधा का शुभारंभ नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की बिहार सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। उनकी यह पहल सराहनीय है और इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। दरियापुर भट्टी, सब्जीबाग और आसपास का क्षेत्र अत्याधिक सघन आबादी वाला इलाका है, जहां बड़ी संख्या में गरीब, अल्पसंख्यक एवं अतिपिछड़ा समुदाय के लोग रहते हैं। लंबे समय से इस क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने इस आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए यहां अत्याधुनिक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना सुनिश्चित की।

इस स्वास्थ्य केंद्र में मात्र दो रुपये के पंजीकरण शुल्क पर मरीज क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर डॉक्टर सलाह प्राप्त कर सकेंगे। यहां 42 प्रकार की जांच पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध होगी तथा आवश्यकता के अनुसार लगभग 150 प्रकार की दवाएं भी मुफ्त दी जाएंगी। यह व्यवस्था दशर्लाई के लिए निशांत कुमार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, आधुनिक बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। यह स्वास्थ्य केंद्र बाकीपुर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 37, 39, 40 और 42 के हजारों नागरिकों को सीधे लाभान्वित करेगा। इससे गरीब परिवारों को बेहतर इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा और समग्र पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उनके अपने क्षेत्र में उपलब्ध होंगी। दरियापुर का यह इलाका केवल अपनी घनी आबादी के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के लिए भी जाना जाता है। इसी क्षेत्र में प्रतिष्ठित पटना कॉलेजिएट स्कूल भी स्थित है। ऐसे महत्वपूर्ण और घनी आबादी वाले इलाके में आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना यह प्रमाणित करती है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार विकास की योजनाओं में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का यह कदम उनके दूरदर्शी नेतृत्व, संवेदनशील सोच और गरीबों के प्रति समर्पण का परिचायक है। बिहार सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक सरल, सस्ती और प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। दरियापुर भट्टी का यह शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इसी संकल्प का सशक्त प्रतीक बनेगा।

तेजस्वी यादव द्वारा टेंडर महाघोटेाले पर पूछे गए गंभीर सवालों पर एनडीए सरकार की चुप्पी कई

सवाल खड़ा करती है : अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि पिछले दिनों नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा रिशु श्री महाघोटेाले पर पूछे गए 20 गंभीर सवालों का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और एनडीए सरकार आज तक जवाब नहीं दे सकी है। यदि सरकार सचमुच भ्रष्टाचार के खिलाफ है, तो फिर तेजस्वी यादव के द्वारा पूछे गए सवालों से भाग क्यों रही है ? इन सवालों पर बिहार सरकार की चुप्पी कई सवालों को खड़ा करती है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सरकार बार-बार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का दावा करती है, लेकिन जब रिशु श्री महाघोटेाले में टेंडर, कमीशनखोरी, वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका, राजनीतिक संरक्षण, ई-टेंडरिंग में हेरफेर, करोड़ों की संपत्तियां और सरकारी विभागों में संगठित भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मामले सामने आते हैं, तो सरकार पूरी तरह मौन धारण कर लेती है। इससे साफ स्पष्ट होता है कि टेंडर महाघोटेाले की कनेक्शन सत्ता के शीर्ष तक जुड़ा हुआ है। सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नहीं, बल्कि जीरो जवाबदेही की नीति पर चल रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट में जगदीश चंद्र की नियुक्ति सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक मिसाल : हरि सहनी

पटना। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता हरि सहनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली उच्च न्यायालय में जगदीश चंद्र की उप महाधिवक्ता के रूप में नियुक्ति पर हार्दिक आभार एवं बधाई प्रकट की है। उन्होंने इस निर्णय को भारतीय लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों को सशक्त करने वाला ऐतिहासिक कदम बताया है। प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के 75 वर्षों के इतिहास में पहली बार अनुसूचित जाति समाज से जगदीश चंद्र को उप महाधिवक्ता नियुक्त किया जाना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और समान अवसर के प्रति केंद्र सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय वंचित एवं उपेक्षित वर्गों के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नई आशा, विश्वास और प्रेरणा का संदेश देता है। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं समावेशी नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हमेशा योग्यता, क्षमता और सामाजिक समरसता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जगदीश चंद्र की नियुक्ति सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को घरातल पर उतारने का सशक्त उदाहरण है। पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सामाजिक न्याय, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। समाज के प्रत्येक वर्ग को समानजनक भागीदारी और अवसर उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता आज विभिन्न निर्णयों के माध्यम से स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

तीन वर्षों में राज्य की 2.72 हजार हेक्टेयर चौर भूमि मछली पालन से हुई समृद्ध

■ **मुख्यमंत्री चौर विकास योजना से राज्य की करीब 3 हजार हेक्टेयर भूमि का हुआ कायाकल्प**

■ **राज्य में हजारों एकड़ नए जल क्षेत्रों का हुआ सृजन, मछली उत्पादन में हुई तेज बढ़ोतरी**

■ **चौर भूमि के विकास से राज्य में किसानों की बढ़ी आय, सरकारी योजनाओं ने लाई खुशहाली**

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के प्रयासों से बीते तीन वर्षों में 2.72 हजार हेक्टेयर चौर भूमि पर नए तालाब बनाए गए हैं। इन तालाबों का निर्माण डेयरी, मत्स्य



एवं पशु संसाधन विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री चौर विकास योजना के तहत हुआ है। इस पहल से बेकार पड़ी भूमि अब मछली पालन से समृद्ध हो चुकी है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में इससे मछली पालक किसानों की आय में तेजी से बढ़ोतरी होगी। साथ ही, इससे मछली उत्पादन और निर्यात पटेल जितेंद्र नाथ पटेल , सुरेश मुखिया, नदीम अंसारी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। राजेश राठौड़- चेरमैन, मीडिया विभाग,बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी

माध्यम से उत्तर बिहार के चौर-बहुल जिलों में अवस्थित चौर भूमि पर मॉडल आधारित नए तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से लेकर 2025-26 तक कुल 2,800 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 2,721.73 हेक्टेयर चौर भूमि में आधुनिक तालाबों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2008-09 से अब तक संचालित

पालन से हुई समृद्ध

विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से कुल 7.99 हजार हेक्टेयर में नए जल क्षेत्र का सृजन किया जा चुका है। साथ ही तालाबों में सालभर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 5,264 टयुबवेल स्थापित किए गए हैं, जिससे मछली पालन को नई मजबूती मिली है।

इसके साथ ही, मछली पालकों को रियायती दर पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी विभाग प्रयास कर रहा है। बिहार सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में, जहां राज्य का कुल मछली उत्पादन 9.69 लाख मीट्रिक टन था, वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 10.28 लाख मीट्रिक टन हो गया है। बिहार अब मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर हो नहीं हुआ है, बल्कि तेजी से निर्यात की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। इन सब से बिहार के किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हुए हैं और उनकी जिंदगी में खुशहाली आई है।

हल्दिया रिफाइनरी में आग लगने की दुर्घटना अत्यंत दुःखद, घायलों का त्वरित इलाज जारी : मंगल पांडेय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में स्थित रिफाइनरी की नैफ्था पाइपलाइन में मंगलवार सुबह लगी भीषण आग और उसमें कई कर्मचारियों के घायल होने की घटना पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री व पश्चिम बंगाल भाजपा प्रभारी श्री मंगल पांडेय ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। श्री मंगल पांडेय ने कहा कि हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स परिसर में नैफ्था पाइपलाइन में आग लगने और कर्मचारियों के झुलसने की खबर वितरित करने वाली है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से घायलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। भाजपा प्रभारी ने स्थानीय प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन से आग्रह किया है कि आग की चोपट में आने से झुलसे सभी घायल कर्मचारियों को अतिवेग और सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

बिहार म्यूजियम पहुंचे नीतीश कुमार, हाथी के दांतों से निर्मित कलाकृतियों का किया अवलोकन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना हाईकोर्ट के समीप स्थित बिहार म्यूजियम पहुंचे, जहां म्यूजियम के निदेशक अंजनी कु मार सिंह ने अपनी टीम के साथ उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

नीतीश कुमार ने म्यूजियम में हाथी के दांतों से निर्मित कलाकृतियों एवं उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी कलात्मकता की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने विशेष दीर्घा का भी निरीक्षण किया तथा वहां मौजूद शोधकर्ताओं से मुलाकात कर उनके कार्यों की जानकारी ली। म्यूजियम परिसर



में बड़ी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं एवं पर्यटकों से नीतीश कुमार ने उनका हालचाल जाना और सबका अभिवादन स्वीकार किया।

उनके आगमन से छात्र-छात्राओं एवं पर्यटकों में हर्ष एवं उत्साह का

वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह कोषाध्यक्ष श्रवलन कुमार सरौफ तथा मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह एवं “गांधी जी” उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

समस्तीपुर में उपभोक्ता जागरूकता

कार्यक्रम हुआ आयोजित

पटना/। समस्तीपुर। पटना द्वारा सुबह टीआरएआई ने बिहार के समस्तीपुर में एक बैठक आयोजित की, जिसमें जनता को उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए टीआरएआई द्वारा की गई विभिन्न पहलों से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम के दौरान, टीआरएआई आरओ कोलकाता के सलाहकार आशीष दत्ता ने भारत में दूरसंचार सेवा प्रदान करने वाले विधायी ढांचे, टीआरएआई की भूमिकाओं और निम्नोद्यमियों तथा इस कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का विषय, यानी दूरसंचार और प्रसारण में उपभोक्ता संरक्षण और विकल्प, संक्षेप में समझाया गया। समस्तीपुर महिला महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रिकी कुमारी ने अपने संबोधन में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की, जो आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने संचार साथी पोर्टल आदि के रूप में सरकार की अन्य पहलों पर भी प्रकाश डाला। समस्तीपुर कॉलेज की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शालिनी कुमारी ने सत्र की संबोधित करते हुए दूरसंचार और प्रसारण क्षेत्रों के नियामक के रूप में टीआरएआई की भूमिका पर प्रकाश डाला और उपभोक्ताओं के लाभ के लिए टीआरएआई द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों से अपने ज्ञान और तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए ज्ञान के उपयोग के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान, आशिम दत्ता और सख्ता दासगुप्ता (सलाहकार) द्वारा विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से प्रतिभागियों को अवांछित वाणिज्यिक संचार शिकायत निवारण तंत्र, सेवा की गुणवत्ता आदि से संबंधित विभिन्न उपभोक्ता केद्विग्न नियमों, निदेशों और आदेशों के प्रावधानों के बारे में शिक्षित किया गया। प्रतिभागियों को विभिन्न मोबाइल ऐप्स के लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को दूरसंचार के विकास को सुगम बनाने के लिए ट्राई द्वारा की गई विभिन्न अनुशंसाओं और यूसीसी पर ट्राई के नए नियमों/निदेशों के बारे में भी बताया गया, साथ ही यह भी समझाया गया कि उन्हें टावर धोखाधड़ी, फर्जी सदेश/कॉल आदि जैसे विभिन्न दूरसंचार धोखाधड़ी के प्रति अतिरिक्त सावधानी कैसे बरतनी चाहिए। प्रसारण क्षेत्र के संबंध में ट्राई की अन्य पहलों से भी अवगत कराया गया। वित्तीय साइबर धोखाधड़ी और निवारक उपायों पर एक प्रस्तुति आरबीआई, पटना के एजीएम अमित कुमार द्वारा दी गई।

ट्रेड यूनियन नेता कॉर्नेटड मोहनमद इटरीश को दी गई शावकीनी श्रद्धांजलि मुजफ्फरपुर।ऑल इंडिया युनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर के ऑल इंडिया काउंसिल सदस्य और वेटरन मजदूर नेता एवं एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के वरिष्ठ नेता मोहम्मद देदरीश की स्मृति में मंगलवार को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के जिला कार्यालय सभागार, मोतीझील, मुजफ्फरपुर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) मुजफ्फरपुर नगर जिला सचिव अमन कुमार झा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दिवंगत कॉर्नेटड मोहम्मद इदरीश के चित्र पर मालाओं से की गई।उपस्थित सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न जनसंगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें लाल सलाम अर्पित करते हुए उनके संघर्षमय जीवन को नमन किया।शोकसभा को संबोधित करते हुए एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के केंद्रीय कमेट्री सदस्य, बिहार राज्य सचिव तथा युनाइटेडयूसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि मोहम्मद इदरीश केवल एक ट्रेड यूनियन नेता नहीं थे, बल्कि जनसंघर्षों के एक समर्पित योद्धा थे। छत्र जीवन से ही उन्होंने अन्याय, शोषण, सांप्रदायिकता, जातिवाद और क्षेत्रवाद के विरुद्ध निरंतर संघर्ष का रास्ता चुना। एल.एस. कॉलेज के मेधावी छात्र रहते हुए उन्होंने शिक्षा, संस्कृति और मानवता पर हो रहे हर प्रकार के हमलों के खिलाफ लगातार आवाज बुलंद किया। उन्होंने कहा कि शिवदास घोष की क्रांतिकारी विचारधारा से प्रेरित होकर कॉर्नेटड इदरीश ने व्यक्तिगत जीवन और निजी स्वार्थों का त्याग कर अपना संपूर्ण जीवन मेहनतकश जनता, मजदूर वर्ग, किसानों तथा समाज के वंचित तबकों के अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। वे सिद्धांतों के प्रति अडिग, संगठन के प्रति पूर्णतः समर्पित तथा जनसंघर्षों के विश्वसनीय नेता थे। श्री अरुण कुमार सिंह ने कहा कि कॉर्नेटड इदरीश विख्यात कम्युनिस्ट नेता दिवंगत कामरेड शिवशंकर के माध्यम से एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के संपर्कों में आए और फिर जीवनभर उसी विचारधारा के प्रति निष्ठावान रहे। उन्होंने कभी पद, प्रतिष्ठा या व्यक्तिगत सुविधा की चिंता नहीं की।

डूबने से मृत दो युवकों के परिजनों से मिले विधायक चार-चार लाख की सहायता राशि का दिया चेक

दरभंगा ग्रामीण विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि संकट में पीड़ित परिवार स्वयं को अकेला न समझे

प्रातः किरण संवाददत्ता

दरभंगा। ग्रामीण विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने सदर प्रखंड की मुखिया पंचायत वाई संख्या-3 निवासी स्वर्गीय लक्ष्मण सहनी के जीवित नदी में डूबने से हुए आकस्मिक निधन तथा बलहा ग्राम निवासी गणेश राय एवं कविता देवी के सुपुत्र स्व चंदन कुमार के नदी में डूबने से हुए दुःखद निधन पर उनके-अपने आवास पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। विधायक



श्री मंडल ने दोनों परिवारों को इस असहनीय दुःख की घड़ी में ढांडस बंधाते हुए कहा कि किसी प्रियजन की

असामयिक मृत्यु की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन इस कठिन समय में सरकार एवं जनप्रतिनिधि पूरी संवेदनशीलता

फिर जलमग्न हुआ सीएम साइंस कॉलेज

दरभंगा। एक बार फिर हुई कुछ घंटों की बारिश ने मंगलवार को दरभंगा नगर निगम के सफाई अभियान की पोल खोल कर रख दी। इस बारिश ने कुछ घंटों में ही ऐसा कहर बरपाया कि ना सिर्फ शहर के विभिन्न इलाके जलमग्न हो गए, बल्कि स्वयं नगर निगम कार्यालय और इससे से सटा सी. एम. साइंस कालेज फिर एकबार इसमें तैरता नजर आया और नगर निगम के दावों को इस बेमौसमी बरसात ने कुछ घंटों में ही धो डाला। सी. एम. साइंस कॉलेज की हुई इस बरसातद स्थि में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां अभी पीजी द्वितीय सेमेस्टर की सैद्धांतिक एवं यूजी पांचवे सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षाएं चल रही हैं। जिसमें मंगलवार को परीक्षा कार्य में लगे शिक्षकों एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं सहित परीक्षार्थियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मंगलवार को दोपहर हुई बारिश से परिसर में घुटने भर पानी जमा हो गया है और इसने महाविद्यालय प्रशासन की चिंता की लकीरें काफी बढ़ा दी। महाविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों में पानी घुस गया जिससे कार्यालय काफी अस्त व्यस्त हो गया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो संजीव कुमार मिश्र ने बताया कि नगर निगम एवं जिला प्रशासन से महाविद्यालय परिसर में लगातार हो रहे जलजमाव के निदान करने का बार-बार अनुरोध करने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय परिसर के चारों ओर स्थित नालों को अतिथकृत रूप से अतिक्रमित कर लिए जाने के कारण महाविद्यालय को करीब सालों भर जलजमाव की अनचाही समस्या से जूझना पड़ता है। नगर निगम एवं जिला प्रशासन से इस बाबत बार-बार अनुरोध करने के बाद भी नतीजा अब तक शुन्य है। उन्होंने कहा कि नालों के समुचित सफाई के मामले में नगर निगम की यदि आगे भी ऐसी ही उदासीनता बनी रही, तो आगे की स्थिति और भी भयावह होने वाली है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमित नालों के निरीक्षण का कार्य बार-बार अनुरोध करने के बाद भी अधिकारी सही तरीके से नहीं कर रहे हैं। जिसका परिणाम है कि महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों को अनचाहे जलजमाव की समस्या से बार-बार जूझना पड़ता है।

तीन दिवसीय 54वां मिथिला विभूति पर्व समारोह को लेकर विभिन्न समितियों का किया गया गठन

प्रातः किरण संवाददत्ता

दरभंगा। तीन दिवसीय 54 वां मिथिला विभूति पर्व समारोह 22 नवंबर से होगा। आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए सोमवार की देर शाम विद्यापति सेवा संस्थान की आम सभा संस्थान के प्रधान कार्यालय परिसर में हुई। संस्थान के अध्यक्ष सह कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो शशिनाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में हर वर्ष की भांति इस साल भी कवि कोकिल विद्यापति के निर्वाण दिवस कार्तिक धवल त्रयोदशी तिथि तदनुसार 22 नवंबर से तीन दिवसीय समारोह आयोजित करने का निर्णय लेते हुए आयोजन को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया गया। समारोह का मुख्य संरक्षक ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी को बनाया गया। जबकि

मिथिला के सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संरक्षण एवं संवर्द्धन को समर्पित इस गौरवशाली आयोजन के संरक्षक मंडल में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो लक्ष्मी निवास पांडेय, डा दिलीप कुमार झा, एमएलएसएम कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य डा विद्यानाथ झा सहित डा अयोध्या नाथ झा को मनोनीत किया गया। आयोजन समिति के विगत साल की समिति को सर्वसम्मति से आंशिक संशोधन के साथ इस साल भी कामय रखते हुए इसकी सलाहकार समिति का अध्यक्ष पं कमला कांत झा, स्वागताध्यक्ष युवा समाजसेवी मन्नु चौधरी, उपाध्यक्ष डा महानंद ठाकुर एवं स्वागत महासचिव प्रो जीवकांत मिश्र बनाये गये। आयोजन समिति का अध्यक्ष प्रो शशिनाथ झा को एवं उपाध्यक्ष क्रमशः डा श्रीपति त्रिपाठी, डा रमेश झा, अमरेन्द्र झा एवं विनोद कुमार झा को मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष की

बिहार में यात्री के लिए 499 करोड़ रुपये की मानसी-सहरसा दोहरीकरण परियोजना को दी मंजूरी

44 किलोमीटर से अधिक लंबी दोहरीकरण परियोजना से यातायात में भीड़ कम होगी, लाइन की क्षमता बढ़ेगी और गेहूँ, मक्का, सिमेंट, उर्वरक और चीनी सहित आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही में सहायता मिलेगी। बिहार में रेल अवसंरचना को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, भारतीय रेलवे ने पूर्व मध्य रेल के 44.40 किलोमीटर लंबे मानसी-सहरसा खंड को 499 करोड़ की लागत से दोहरीकरण करने की मंजूरी दे दी है। यह परियोजना लाइन की क्षमता बढ़ाएगी, परिचालन दक्षता में सुधार करेगी और इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यात्रियों को माल दलुलाई सुविधाजनक तरीके से सुधार करेगी। व्यस्त रेल कॉरिडोर पर क्षमता वृद्धि मानसी-सहरसा खंड वर्तमान में मानसी-सरायवाड़ मार्ग पर एक एकल-लाइन कॉरिडोर है, जहाँ यात्रियों और माल की भारी आवाजाही होती है। इस खंड पर प्रत्येक दिशा में 24 जोड़ी यात्री ट्रेनें चलती हैं और साथ ही गेहूँ, मक्का, गिट्टी, उबले चावल, सीमेंट, उर्वरक, चावल, नमक, रेत, पथर और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं का परिवहन भी होता है। वर्तमान में रेल लाइन की क्षमता का उपयोग पहले ही 108.11% तक पहुंच चुका है और 2028-29 तक इसके बढ़कर 119.34% होने का अनुमान है, जो अतिरिक्त रेल क्षमता की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। यात्री सेवाओं और माल दलुलाई को बढ़ावा दोहरीकरण परियोजना से अतिरिक्त लाइन क्षमता का सृजन होगा, जिससे यात्री और मालगोदार्थी को सुचारू आवाजाही सुनिश्चित होगी और परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी। उन्नत बुनियादी ढांचा समय की पड़ौसी में सुधार करेगा, परिचालन लचीलापन बढ़ाएगा और पूरे क्षेत्र में रेल यातायात की भविष्य की वृद्धि को सहायता देगा। परियोजना के चालू होने पर, इससे प्रति वर्ष अतिरिक्त 1.764 मिलियन टन (एमटीपीए) माल दलुलाई यातायात को संचालने में सुविधा होने की उम्मीद है, जिससे कृषि, निर्माण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के अन्य प्रमुख क्षेत्रों के लिए रसद को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना भारतीय रेलवे के उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा है जिन्का उद्देश्य उच्च मार्ग वाले मार्गों पर क्षमता का विस्तार करना, सेवा की विश्वसनीयता में सुधार करना और देश भर में यात्रियों और माल दलुलाई के लिए तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल परिवहन को बढ़ावा देना है।

अब सुनसान इलाकों में भी मिलेगी वाहन मरम्मत व पंचर की सुविधा, एनएच पर सफर होगा और आसान

मुजफ्फरपुर। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले यात्रियों और मालवाहक वाहन चालकों को जल्द बड़ी राहत मिलने वाली है। अब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे वाहनों की मरम्मत और पंचर बनाने की सुविधाएं विकसित करेगा। इसके लिए एनएचआई की पूर्ण सम्यत्व वाली कंपनी नेशनल हैवर्डज लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने तैयारी शुरू कर दी है। इस संघंध में एनएचआई ने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश

जारी करते हुए ऐसे स्थानों की पहचान करने को कहा है, जहां पहले से कोई रैरैज या पंचर मरम्मत की दुकान उपलब्ध नहीं है। विशेष रूप से सुनसान और दूरदरज के इलाकों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। विभागीय निर्देश के बाद मुजफ्फरपुर जिले में मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर-हाजीपुर, मुजफ्फरपुर-मोतिहारी और मुजफ्फरपुर-दरभंगा राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपयुक्त स्थलों की पहचान का काम तेज कर दिया गया है। एनएचआई के अनुसार,

इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराना, वाहन खराब होने पर मरम्मत में लगने वाले समय को कम करना, सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाना तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है। सर्वे के दौरान पाया गया कि कई राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर वाहन मरम्मत एवं पंचर की सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में वाहन खराब होने की स्थिति में यात्रियों को काफी परेशानी होती

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

कृषि जन कल्याण चौपाल सह खेत बचाओ अभियान में वैज्ञानिक एवं जैविक खेती पर दिया जोर

प्रातः किरण संवाददत्ता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के सभी 29 पंचायतों में कृषि जन कल्याण चौपाल सह खेत बचाओ अभियान का सफलतापूर्वक समापन मंगलवार से सरकार द्वारा स्वीकृत 4 लाख की अनुग्रह अनुदान राशि का चेक दोनों पीड़ित परिवारों को उपलब्ध कराया। साथ ही संबंधित अधिकारियों से निर्देश दिया कि सरकारी सहायता एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। विधायक श्री मंडल ने कहा कि संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवार स्वयं को अकेला न समझे। हरसंभव सहयोग एवं सहायता के लिए वे सदैव उनके किसान सलाहकार समिति के सदस्य

विश्वविद्यालय पंचांग का हुआ विमोचन,इस बार ज्यादा दिनों तक बजेगी शहनाई

प्रातः किरण संवाददत्ता

दरभंगा। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में उत्सवी माहौल में कुलपति प्रो लक्ष्मीनिवास पांडेय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय पंचांग वर्ष 2026-27 का विमोचन कर दिया गया। मौके पर कई विद्वान भी उपस्थित थे। अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित विमोचन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि यह पंचांग सिर्फ मुहूर्त व शुभ दिन देखने के लिए र्मिता व पहचान है। यहां के विद्वान विशेषज्ञों द्वारा कठिन मेहनत कर इसे तैयार किया गया है।ये सभी धन्यवाद के पात्र हैं। वहीं शोध व प्रकाशन प्रभागी प्रो दिलीप कुमार झा ने कहा कि विश्वविद्यालय पंचांग के जनक महरूम कुलपति प्रो0 रामकरण शर्मा थे। उन्हीं के संरक्षण में पहली बार 1977-78 में इसका प्रकाशन शुरू हुआ था। यह सिलसिला अनवरत जारी



है। आज हर्ष का विषय है कि पंचांग का 49वां अंक हमलोगों के हाथों में है। 30 जुलाई,26 से व्यवहृत होगा पंचांग विश्वविद्यालय के पीआरओ डॉ निशिकांत ने बताया कि 30 जून,26 को विमोचित चिर प्रतीक्षित विश्वविद्यालय पंचांग 2026-27 साल 1434 विक्रम सम्वत 2079-80 आगामी 30 जुलाई से 18 जुलाई,27 तक व्यवहृत होगा। पंचांग के बाजार में आने से अब सम्पूर्ण मिथिला समेत अन्य प्रदेशवासी शुभ मुहूर्त व तिथि को मांगलिक कार्यों का बखूबी सम्पादन करेंगे। पर्व-त्योहारों व व्रतों के साथ पूजा-पाठ को सही तिथि व समय पर सम्पादित करेंगे। इस

बार शनि राजा तो मंगल मंत्री बने हैं। बताया गया कि विश्वविद्यालय पंचांग पूर्णतः स्कंध ज्योतिष शास्त्र के सिद्धांतों एवं मकरन्द गणित पर आधारित है। इसमें तिथि व मुहूर्त का निर्धारण मूलतः मैथिल धर्मशास्त्रों के सम्मत है। इस बार पिछले वर्ष 45 की तुलना में 18 दिन ज्यादा विवाह की तिथि निर्धारित है। इस बार 63 दिन बजेगी विवाह पर शहनाई वर्ष 2026-27 में विवाह के कुल 63 दिन शुभ बताए गए हैं। 22 नवम्बर 2026 से विवाह के दिन शुरू होंगे जो 09 जुलाई 2027 तक चलेंगे। विशेष धार्मिक आयोजन की तिथि पीआरओ डॉ निशिकांत ने बताया कि इस बार सिमरिया कल्यास 18 अक्टूबर से 17 नवंबर 2026 तक चलेगा। वहीं, प्रयाग कल्यास 15 जनवरी 2027 से 13 फरवरी 2027 तक रहेगा मिथिलांचल की सौराठ सभा (गाछी) का आयोजन 01 जुलाई 2027 से 09 जुलाई 2027 तक होगा।

यूरिया की आड़ में शराब की बड़ी खेप: 20 चक्का ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त

प्रातः किरण संवाददत्ता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। बिहार में शराब तस्करो के खिलाफ चलाई जा रही कड़क मुहिम के बीच विभूतिपुर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुस्तफापुर भाथ पोखर के निकट से एक 20 चक्का ट्रक की जब्त किया है। इस ट्रक के भीतर बेहद शातिर तरीके से बनाए गए एक गुप्त तहखाने में भारी मात्रा में विदेशी शराब छिपाकर ले जाई जा रही थी। पुलिस को चकमा देने के लिए यूरिया और बुरादे का हाईटेक खेल मिला। जानकारी के अनुसार, शराब माफिया ने पुलिस की आंखों में धूल झाँकने के लिए फुलपूफ प्लांटिग की थी। 20 चक्का ट्रक के ऊपर भारी मात्रा में खेती का यूरिया और लकड़ी का बुरादा लोड किया गया था, ताकि किसी को शक न

कृष्णदेव प्रसाद सिंह ने की। कार्यक्रम को प्रखंड तकनीकी प्रबंधक शशि रंजन,प्रखंड उद्धान पदाधिकारी सत्येंद्र प्रसाद सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी धीरज कुमार,प्रखंड तकनीकी प्रबंधक शशि रंजन,प्रखंड उद्यान पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार,कृषि समन्वयक रतिकान्त कुमार आदि ने संबोधित किया।कार्यक्रम में कृषि समन्वयक अजीत कुमार ठाकुर, सहायक तकनीकी प्रबंधक विपुल भारती, किसान सलाहकार महावीर प्रसाद सिंह, उप मुखिया रामगिरीश महतो, सरपंच किरण देवी, कृषि समन्वयक अजीत कुमार ठाकुर, किसान सलाहकार नूतन कुमार,महावीर प्रसाद सिंह सहित दर्जनों की संख्या में किसान उपस्थित रहे। वहीं खास टथका दक्षिण पंचायत में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड सदस्य द्वारा की गई। कार्यक्रम को कृषि समन्वयक अजीत कुमार ठाकुर,सहायक तकनीकी प्रबंधक विपुल भारती ने किसानों की कृषि, आत्मा एवं उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने कृषि विभाग की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने, नियमित मृदा परीक्षण कराने, जल संरक्षण विपुल भारती, किसान सलाहकार नूतन कुमार,महावीर प्रसाद सिंह सहित दर्जनों की संख्या में किसान उपस्थित रहे। वहीं खास टथका दक्षिण पंचायत में आयोजित कार्यक्रम की

एनएसयूआई ने लगाया हेल्प डेस्क, छात्रों ने ली सदस्यता



प्रातः किरण संवाददत्ता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। डीबीकेएन कॉलेज, नरहन में स्नातक सत्र 2026झ30 के नामांकन के दौरान छात्र-छात्राओं की सहायता के लिए एनएसयूआई ने हेल्प डेस्क लगाया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को नामांकन प्रक्रिया और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी दी गई।संगठन की नीतियों से प्रभावित होकर इस दौरान छात्रों ने एनएसयूआई की सदस्यता ली। मौके पर जिला उपाध्यक्ष विवेक विराट ने कहा कि संगठन हमेशा छात्रहित और युवाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहेगा।मौके पर कॉलेज अध्यक्ष आदित्य कुमार, नीरज कुमार, मोहम्मद शमसुल आलम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार में शराब की बड़ी खेप: 20 चक्का ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त



बीच एक बेहद मजबूत और बड़ा गुप्त तहखाना बना रखा था। यह तहखाना इस तरह से लौक और वेल्ड किया गया है कि इसे सामान्य तरीके से खोलना नामुमकिन था।पुलिस कटर और तस्करीकी उपकरणों की मदद से इस शातिर तहखाने को तोड़ने का प्रयास कर रही है, पूरी तरह खुलने के बाद ही शराब की सही मात्रा और जरूरी कीमत का आकलन हो सकेगा।वही पुलिस प्रशासन इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रहा है। ट्रक मिलते ही पुलिस टीम ने मुस्तफापुर भाथ पोखर के निकट घेराबंदी कर ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। लोहे की चादरों से वेल्ड था गुप्त तहखाना, खोलने में छूटे पसीने ट्रक को जब्त कर जब थाने लाया गया और ऊपर से यूरिया की बोरियां तथा लकड़ी का बुरादा हटाया गया, तो पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। तस्करो ने ट्रक की बोड़ी के बीचो-बीच

प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक आयोजित

प्रातः किरण संवाददत्ता

मनीगाछी (दर भंगा) । प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में सेंटर डायरेक्ट क्वच परियोजना एवं सफे सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक बुधवार को प्रखंड प्रमुख पुनन कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बाल हितैषी मुद्दों- जैसे बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल तस्करी के मुद्दों पर सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर बाल सुरक्षा के लिए आवश्यक पहल करने का निर्णय लिया गया। समिति के सदस्यों ने कहा कि अगर बच्चे नियमित स्कूल नहीं जाएंगे तो उनका उच्चल

खातीपुरा जयपुर और दरभंगा के मध्य चलाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन में बदलाव

प्रातः किरण संवाददत्ता

हाजीपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा-बुढ़वल रेल खंड पर स्थित गोंडा-गोंडा कचहरी स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान हेतु पी-नॉन इंटरलॉक एवं नॉन इंटरलॉक कार्य किये जाने के कारण पुर्व में घोषित गाड़ियों के अतिरिक्त निम्न गाड़ियों का पुनर्निर्धारण/नियंत्रण एवं मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा पुनर्निर्धारण/नियंत्रण- 1.खातीपुरा से 05 एवं 07 जुलाई, 2026 को चलने वाली 19725 खातीपुरा-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस मार्ग में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी। 2 खातीपुरा से 01 जुलाई, 2026 को चलने वाली 19725 खातीपुरा-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस खातीपुरा से 80 मिनट तथा 07 जुलाई, 2026 को खातीपुरा से 02 घंटा 30 मिनट पुनर्निश्चित कर चलाई जायेगी मार्ग परिवर्तन - 1 दरभंगा से 09 जुलाई, 2026 तक चलने वाली 19726 दरभंगा-खातीपुरा अमृत भारत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग मनकापुर-अयोध्या कैंट-बाराबंकी के रास्ते चलाई जायेगी। 2. खातीपुरा से 09 एवं 10 जुलाई, 2026को को चलने वाली 19726 खातीपुरा-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलाई जायेगी।

जिला विकास एवं समन्वय समिति की बैठक में डीएम ने दिया शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर [जिले में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति, आधारभूत संरचना परियोजनाओं की स्थिति तथा संभावित बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों की समीक्षा को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी श्री कुमार गौरव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, भवन निर्माण, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, ऊर्जा, कृषि, श्रम संसाधन, पशु संसाधन समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी जवाबदेही, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किया जाए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में सबसे पहले लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया



कि मुजफ्फरपुर डिवीजन में संचालित 2,238 नल-जल योजनाओं में से 2,231 योजनाएं तथा मोतीपुर डिवीजन की 3,114 योजनाओं में से 3,106 योजनाएं वर्तमान में संचालन रूप से कार्यरत हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जो योजनाएं बंद हैं, उन्हें शीघ्र चालू कराया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पेयजल की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान प्रथमअंशकी सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 3,980 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1,205

लाभुकों के घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। सात निश्चय-2 के तहत कृषि फीडर निर्माण योजना में जिले को मिले 90 फीडरों के लक्ष्य के विरुद्ध सभी 90 फीडरों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना में 12,901 लक्ष्य के मुताबले 12,510 किसानों को विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। स्मार्ट प्रोपेड मोटर योजना के तहत जिले के कुल 9,22,839 सक्रिय बिजली उपभोक्ताओं में से 8,18,116 उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मोटर लगाए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने शेष कार्य भी शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। भवन

निर्माण विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिला मुख्यालय में 2,000 क्षमता वाले आधुनिक परीक्षा भवन का निर्माण तेजी से चल रहा है और इसे वर्ष 2026 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय योजना के तहत मुसहरा, सकरा, बंदरा, पारू और मोतीपुर में 720 छात्र क्षमता वाले विद्यालयों का निर्माण कार्य जारी है, जबकि कुढ़नी में निविदा प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा कटरा, साहेबगंज, सकरा, गायघाट, बोचहां, मुसहरी, मड़वन, सरैया और औराई में नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन एवं आवासीय परिसरों के निर्माण की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मोतीपुर एवं पारू में निर्माण कार्य पहले से जारी है। जिले में प्रस्तावित 175 पंचायत सरकार भवनों में से 38 भवन बनकर तैयार हो चुके हैं, 33 भवनों का निर्माण कार्य चल रहा है, तीन भवनों की निविदा निष्पादित हो चुकी है तथा एक भवन में निविदा प्रक्रिया जारी है। शिक्षा विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 3,371 सरकारी विद्यालय संचालित हैं, जहां 27,882 शिक्षक

कार्यरत हैं। वर्ष 2025-26 में प्रत्येक प्रखंड में एक मॉडल स्कूल का चयन कर वहां शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित उपस्थिति तथा आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में संपूर्ण टीकाकरण के वार्षिक 1,49,268 लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 1,40,466 बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। बैठक में गर्भवती महिलाओं की एनसी जांच, गैर संचारी रोग (एनसीडी), संस्थागत प्रसव, हाइपरटेंशन एवं डायबिटीज स्क्रीनिंग की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को सरकारी अस्पतालों में सभी स्वास्थ्य सेवाएं समय पर और निशुल्क उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए सर्वेक्षण, संभावित मरीजों की पहचान, समय पर जांच, दवा उपलब्धता और नियमित उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि जिले में क्षय रोग उन्मूलन अभियान की और गति मिल सके।

श्रमिकों की सहायता हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर [सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से जीरोमाइल चौक पर संतोष कुमार के नेतृत्व में श्रमिकों की सहायता के लिए मुफ्त हेल्थलाइन इंडिया लेबर लाइन के लिए जागरूकता कार्यक्रम किया गया। संतोष कुमार ने बताया कि श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान न होने, देरी होने या मजदूरी कटौती होने पर भविष्यनिश्चि आदि से जुड़ी समस्या व उसका लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। मजदूरों को जबरन काम से निकालने या ग्रेजुंटी संबंधित समस्या से जुड़ी जानकारी व कानूनी मदद प्राप्त करने के लिए,कार्यस्थल पर चोट चपेट लग्े या बड़ी दुर्घटना होने पर मुआवजा न मिलने पर,समय पर वेतन ,न्यूनतम मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया या बिल्कुल भी भुगतान नहीं किया गया,कार्यस्थल पर हिंसा या बंधन में रखा गया, कार्यस्थल पर दुर्घटना होने पर मालिकों द्वारा मुआवजा नहीं मिला हो,निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड या किसी अन्य राज्य कल्याण बोर्ड के पंजीकरण और लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संयोजक कठपुतली कलाकार सुनील कुमार ने गीत संगीत के माध्यम से मुजफ्फरपुर में बोले लागल लोग आइल बाटे इंडिया लेबर लाइन,टॉल फ्री नंबर मिल गया हैं, इस पर फोन लगाना हैं,ये वक्त की आवाज हैं लेबर लाइन को जानो,देशवा में आई गईले इंडिया लेबर लाइन,एक्कर कर प्रचार,इ हैं समय के पुकार,एक्कर कर प्रचार गीत के माध्यम से इंडिया लेबर लाइन के टॉल फ्री नंबर18008339020 के बारे में जानकारी दी।

मानसून की दस्तक से खेतों में लौटी रौनक बढ़ती लागत ने किसानों की बढ़ाई चिंता

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार में मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ ही जिले में खरीफ कृषि कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है। बीते कुछदिनों से हो रही अच्छी बारिश ने किसानों को बड़ी राहत दी है। बारिश के पानी से खेतों में नमी और जलभराव बनने के बाद धान की रोपनी का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। गांवों में सुबह से शाम तक खेतों में ट्रैक्टरों से कदवा करया जा रहा है, जबकि दूसरी ओर मजदूर कताबद्ध होकर धान की रोपनी में जुटे हैं। मानसून की पहली अच्छी बारिश ने खेती-किसानी में नई उम्मीद जगा दी है। इस वर्ष मानसून के देर से आने के कारण किसान असमंजस की स्थिति में थे। धान की उंसरी तैयार होने के बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिलने से रोपनी का काम शुरू नहीं हो पा रहा था। अब मौसम अनुकूल होने के बाद

किसान तेजी से खेत तैयार कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जुलाई के पहले पखवाड़े तक सामान्य वर्षा जारी रही तो जिले में धान की रोपनी समय पर पूरी होने की संभावना है। और इसका सकारात्मक असर उत्पादन पर भी पड़ेगा। मानसून की राहत के साथ खेती की लागत में हुई बढ़ोतरी किसानों की सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। खेतों की जुताई, कदबा, बीज, खाद, डीजल और मजदूरी के खर्च में इस बार उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। किसानों के अनुसार ट्रैक्टर से कदवा कराने पर लगभग दो हजार रुपये प्रति बीघा खर्च आ रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 प्रतिशत अधिक है। वहीं धान रोपने वाले मजदूरों की मजदूरी में भी लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक बीघा खेत की रोपनी पर अब करीब पांच हजार रुपये तक खर्च करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों की

उपलब्धता भी किसानों के लिए चुनौती बनी हुई है। कई गांवों में पर्याप्त संख्या में मजदूर नहीं मिलने से रोपनी का कार्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में किसानों को अधिक मजदूरी देकर श्रमिक बुलाने पड़ रहे हैं। दूसरी ओर डीजल की कीमत और कृषि आदानों की महंगाई ने खेती की कुल लागत को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि यदि मानसून पूरे मौसम में सामान्य बना रहा तो सिंचाई पर अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ेगा, जिससे कुछ राहत अवश्य मिलेगी। लेकिन बढ़ी हुई लागत की भरपाई तभी संभव होगी, जब धान की उपज अच्छी हो और बाजार में फसल का लाभकारी मूल्य प्राप्त हो। कृषि विभाग ने किसानों को मौसम के अनुसार कृषि कार्य करने, संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने तथा जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी है। विभाग का मानना है कि वैज्ञानिक

तरीके से खेती करने पर उत्पादन बढ़ाने के साथ लागत को भी नियंत्रित किया जा सकता है। किसानों ने सरकार से डीजल अनुदान, उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण बीज की आपूर्ति तथा धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रभावी खरीद सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि खेती की लागत लगातार बढ़ती रही और उपज का उचित मूल्य नहीं मिला तो छोटे और सीमांत किसानों के लिए खेती करना कठिन होता जाएगा। फिलहाल जिले के अधिकांश ग्रामीण इलाकों में खरीफ खेती की रौनक लौट आई है। खेतों में ट्रैक्टर और मजदूरों की बढ़ती गतिविधियां इस बात का संकेत हैं कि किसान इस बार अच्छी फसल को लेकर आशान्वित हैं। अब सबकी निगाहें मानसून की निरंतरता पर टिकी हैं, क्योंकि आने वाले कुछ सप्ताह धान की खेती के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।



प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड के मध्य विद्यालय, सिमरा में मंगलवार को विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरेंद्रनाथ तिवारी के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों ने उनके लंबे, समर्पित और अनुकरणीय शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया तथा स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि हरेंद्रनाथ तिवारी ने अपने कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल कीं और वे हमेशा विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहे विे शिक्षक समुदाय में भी सम्मान एवं प्रेरणा के प्रतीक रहे। इस अवसर पर मृत्युंजन कुमार, ललन कुमार, भोला सिंह, प्रभात कुमार, राज किशोर ठाकुर, शंभु प्रसाद ठाकुर, हरि नारायण झा, नीरज कुमार, दीपक प्रसाद, दिनेश प्रसाद यादव, हलीम अली, उमेश प्रसाद सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का समापन सभी शिक्षकों द्वारा हरेंद्रनाथ तिवारी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित करने तथा उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ जीवन की कामना के साथ हुआ।



मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड के मध्य विद्यालय, सिमरा में मंगलवार को विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरेंद्रनाथ तिवारी के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों ने उनके लंबे, समर्पित और अनुकरणीय शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया तथा स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि हरेंद्रनाथ तिवारी ने अपने कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल कीं और वे हमेशा विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहे विे शिक्षक समुदाय में भी सम्मान एवं प्रेरणा के प्रतीक रहे। इस अवसर पर मृत्युंजन कुमार, ललन कुमार, भोला सिंह, प्रभात कुमार, राज किशोर ठाकुर, शंभु प्रसाद ठाकुर, हरि नारायण झा, नीरज कुमार, दीपक प्रसाद, दिनेश प्रसाद यादव, हलीम अली, उमेश प्रसाद सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का समापन सभी शिक्षकों द्वारा हरेंद्रनाथ तिवारी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित करने तथा उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ जीवन की कामना के साथ हुआ।

लोटा। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान स्थानीय लोगों की नजर गांव के एक गहरे पोखर में तैरते शव पर पड़ी। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और शव को बाहर निकाला गया। शव की पहचान सुजीत कुमार के रूप में होते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों के अनुसार, जिस पोखर में हादसा हुआ वह काफी गहरा है। आशंका जताई जा रही है कि पैर फिसलने या संतुलन बिगड़ने के कारण किशोर गहरे पानी में चला गए से शीघ्र के लिए निकला था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं

चलायी जा रही 05 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा रेलवे द्वारा चलायी जा रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार करने निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1 गाड़ी संख्या 05557/05558 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल - सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 05557 रक्सौल-लोकमान्य तिलक स्पेशल अब रक्सौल से 28.07.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जायेगी । इसी तरह गाड़ी सं. 05558 लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल अब लोकमान्य तिलक के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 05557 रक्सौल-लोकमान्य तिलक स्पेशल अब रक्सौल से 28.07.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को परिचालित की जायेगी । 2. गाड़ी संख्या 03253/03254/03255 पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल - गया-स्पेशल - बख्तियारपुर-मोकामा -झाझा-आसनसोल-खड़गपुर-कटक-भुवनेश्वर के रास्ते पटना और खोरधा रोड जं. के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी ।गाड़ी सं. 03230 पटना-खोरधा रोड जं. स्पेशल अब पटना से 30.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03229 खोरधा रोड जं.-पटना स्पेशल अब खोरधा रोड जं. से 31.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित

जनकवि नागार्जुन की जयंती पर गूंजे जनचेतना के स्वर

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। हिंदी और मैथिली साहित्य के अप्रतिम जनकवि नागार्जुन की जयंती मंदलवार को कांटी के साहित्य भवन में साहित्यिक गरिमा, श्रद्धा और आत्मीयता के साथ मनाई गई। नूतन साहित्यकार परिषद के तत्वावधान में आयोजित समारोह का शुभारंभ नागार्जुन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद साहित्यकारों ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और साहित्यिक अवदान पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्हें जनसंस्कारों का सबसे प्रखर कवि बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिषद के अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह हार्दचंद्र ने कहा कि नागार्जुन केवल एक कवि नहीं, बल्कि जनचेतना के सशक्त संवाहक और समाज की अंतरात्मा की आवाज थे। उन्होंने अपनी सहज, सरल और लोकभाषा

से जुड़ी कविताओं, उपन्यासों तथा अन्य रचनाओं के माध्यम से किसानों, मजदूरों, वंचितों और शोषित वर्ग की पीड़ा पर भाववाशाली स्वर दिया। उनकी लेखनी सत्ता के पाखंड, सामाजिक विषमता, अन्याय और शोषण के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़ी रही। यही कारण है कि साहित्य जगत उन्हें सम्मानपूर्वक ह्राजनकविह्म के रूप में स्मरण करता है।उन्होंने कहा कि नागार्जुन ने साहित्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि उसमें आम आदमी के संघर्ष, सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनाओं की गहरी अभिव्यक्ति मिलती है। उनकी रचनाएं पाठकों को अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देती हैं।वक्ता के स्वाराजलाल ठाकुर ने कहा कि नागार्जुन को प्रगतिवाद का निराला कहा जाता है। उनकी रचनाओं में विद्रोह के साथ-साथ मानवीय करुणा

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को दी गई भावभीनी विदाई



डॉक्टर्स डे : सेवा से व्यवसाय तक चिकित्सा का बदलता चेहरा

कुमार कृष्णन

हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में डॉक्टरों के मनाया जाता है। यह दिवस महान चिकित्सक, शिक्षाविद् और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र यादव की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने चिकित्सा को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम माना। किंतु आज जब चिकित्सा क्षेत्र तीव्र गति से व्यावसायीकरण की ओर बढ़ रहा है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चिकित्सा अभी भी सेवा है या वह लाभ कमाने का उद्योग बनती जा रही है? डॉक्टरों के केवल चिकित्सकों का सम्मान करने का अवसर नहीं है, बल्कि चिकित्सा व्यवस्था के आत्ममंथन का भी दिन है। यह दिन हमें उन चिकित्सकों को याद करने की प्रेरणा देता है जिन्होंने मानवता को सर्वोपरि रखा और उन चुनौतियों पर विचार करने का अवसर भी देता है जिनके कारण चिकित्सा का मानवीय चेहरा धुंधला पड़ता जा रहा है भारतीय संस्कृति में वैद्य को भगवान के समान माना गया है। प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने चिकित्सा का उद्देश्य रोगी को स्वस्थ करना और उसके जीवन की रक्षा करना बताया। चरक और सुश्रुत जैसे महर्षियों ने चिकित्सक के लिए करुणा, संयम, नैतिकता और सेवा को अनिवार्य गुण माना। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने तकनीकी प्रगति अत्यधिक की है, परंतु उसके साथ चिकित्सा का स्वरूप भी तेजी से बदला है। आज बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। आधुनिक मांस्री, रोलोकेट सर्जरी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान और उन्नत उपचार ने चिकित्सा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। लेकिन इसी के साथ उपचार की लागत भी लगातार बढ़ी है। अनेक परिवार गंभीर बीमारी के कारण आर्थिक संकट में फंस जाते हैं। कई बार यह आरोप भी लगता है कि अनावश्यक जांच, महंगी दवाइयाँ और गैर-जरूरी प्रक्रियाएँ केवल आर्थिक लाभ के लिए कराई जाती हैं। चिकित्सा के इस व्यावसायिक स्वरूप ने डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास के रिस्ते को प्रभावित किया है। पहले चिकित्सक परिवार का अभिन्न अंग चिकित्सा माने जाते थे। आज अनेक स्थानों पर मरीज डॉक्टर को संदेह की दृष्टि से देखने लगा है। यह स्थिति चिकित्सा व्यवस्था और समाज, दोनों के लिए चिंता का विषय है। हालांकि पूरी चिकित्सा व्यवस्था को एक ही दृष्टि से देखना न्यायसंगत नहीं होगा। हजारों ऐसे चिकित्सक हैं जो आज भी सीमित संसाधनों में ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और दूर-दराज के गांवों में निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी मरीजों की जान बचाने के लिए दिन-रात समर्पित रहते हैं। महामारी, प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में इन्हीं चिकित्सकों ने अपने परिवार से अधिक समाज को प्राथमिकता दी है। हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी ने दुनिया को यह सिखाया कि डॉक्टर केवल पेशेवर नहीं, बल्कि संकट के समय मानवता के सबसे बड़े रक्षक होते हैं। जब पूरा समाज घरों में सुरक्षित था, तब डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मियों अस्पतालों में जीवन बचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे थे। अनेक चिकित्सकों ने स्वयं सक्रिय होकर अपने प्राण तक गंवा दिए। यह त्याग चिकित्सा के वास्तविक स्वरूप का परिचायक है। चिकित्सा के बढ़ते व्यावसायीकरण की पीछे केवल डॉक्टर ही जिम्मेदार नहीं हैं। महंगी चिकित्सा शिक्षा, निजी अस्पतालों की आर्थिक संरचना, दवा उद्योग का दबाव, चिकित्सा उपकरणों की ऊँची कीमत, बीमा प्रणाली की जटिलताएँ तथा बढ़ती कानूनी चुनौतियाँ भी इस स्थिति के महत्वपूर्ण कारण हैं। निजी मेडिकल शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करने वाले अनेक युवा चिकित्सकों पर आर्थिक दबाव रहता है। ऐसे में चिकित्सा सेवा और आर्थिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाता है। दूसरी ओर मरीजों की अपेक्षाएँ भी पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं। हर स्थिति में शत-प्रतिशत सफलता की उम्मीद की जाती है, जबकि चिकित्सा विज्ञान संभावनाओं पर आधारित है, पूर्ण निश्चिंता पर नहीं। उपचार असफल होने पर कई बार चिकित्सकों पर हिंसा तक हो जाती है। ऐसी घटनाएँ चिकित्सा सेवा के वातावरण को प्रभावित करती हैं और डॉक्टरों के मनोबल को भी कमजोर करती हैं। समाधान केवल चिकित्सकों की आलोचना में नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक मानवीय और पारदर्शी बनाने में है। सरकार को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना होगा।

मयार्दा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी ?

राम भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मर्यादा की पर्याय है। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन ट्रस्टों द्वारा विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इसकी नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व संस्था, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पढ़ने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र को नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है। कबीर ने लिखा था कि, राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट का आशय भक्ति का उस अमूल्य संपदा से था जिसे हम कभी बिना मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं हूमायूँ साधना का नहीं, साधक का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छया में जवाबदेही का सूखे अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष और पूर्ण पारदर्शिता की होती चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर जांच-पड़ताल की पड़ताल स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो सांचे से प्रतिका बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यर्थ यह है कि भगवान राम राजपाट त्यागकर मर्यादा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मर्यादा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेवनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि अधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है। ५. समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच के अतिमात्सर्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच पड़ताल केवल खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्थल है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या प्रष्टधार से भी अधिक चरनात्मक नैतिकता की है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न आरोप में प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की अलंकरण बनकर रह जाती है। राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की जाल नहीं बन सकता। यह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जात। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सांघी मेजती है, सहायता आभयान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ मुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आती। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं। वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को मूकमप के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं।



ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

ते नेजुएला में हाल में आए
 भीषण भूकम्प ने केवल
 एक देश को नहीं, बल्कि
 पूरी मानवता को झकझोर दिया है।
 मृतकों और लापता लोगों की संख्या
 त्रासदी की भयावहता निर्विबाध है।
 हजारों परिवार अपने प्रियजनों को
 खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर
 रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरा
 दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत
 सामग्री भेजती है, सहयाता अभियान
 चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार
 हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या
 हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी
 सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों
 की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ
 भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-
 यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर
 निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं
 कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न
 देश चुनती हैं, न मौसम और न समय।
 जब धरती कांपती है, नदियां उफान
 पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या सुनाम
 विनाशक रूप धारण कर लेता है, तब

विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची झमारें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशयी हो जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, सवेदनशीलता शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं। वेनेजुएला की रासदी में एक समरकालिक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी बन कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक स्टापिक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषयवस्तु केवल एक अंतरराष्ट्रीय समझौता नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़,

भूखलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का देश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीगढ़ भू-ध्खाव की घटनाएँ तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूखलन की घटनाएँ आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है- प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन ये वर्षों से यह चेतावनी अवश्य दे रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव



नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह सभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जलजंजल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुजरात, नोएडा, दिल्ली, बंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी? किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखती है। यदि उन समयों के बाद लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना

जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-
दमक और आधुनिक सुविधाएँ किसी
भवन को सुरक्षित नहीं बनाती। भारत
में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक
और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक
ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए
हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं है,
बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या
प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में
उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही
है? क्या निर्माण की गुणवत्ता
की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण
के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र
परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों
का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है,
तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण क्षेत्र में
बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार
ने स्थिति को और गंभीर बनाया है।
अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी
और लाभ-लालुप तत्व पर्यावरणीय
नियमों की अवहेलना करते हुए
हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और
भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण
कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी
त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में

अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक टिवन टावरों को सर्वोच्च-यात्रालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अदृष्टि कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अर्थात् था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यदि केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासां तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नकशों पर इस्तेमाल करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संचान्तात्त्विक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मामलों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

भागमभाग भरी जिन्दगी में स्वयं की तलाश

इस निरंतर भागदौड़ में एक प्रश्न बहुत पीछे छूट गया है, वह है क्या हम वास्तव में अपने लिए जी रहे हैं? हम दिन भर दूसरों के लिए काम करते हैं, दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, दूसरों की नजरों में अच्छे बनने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब बात आती है स्वयं के लिए समय निकालने की, तो हम असाहाय नजर आते हैं। यही वह स्थिति है जहां से जीवन में खालीपन, तनाव और असंतोष जन्म लेते हैं। आधुनिक जीवन धीरे-धीरे एक मशीन की तरह हो गया है। सुबह उठना, काम पर जाना, दिनभर भागदौड़ करना, फिर घर लौटकर अगले दिन की तैयारी करना। यह चक्र लगातार चलता रहता है। इस प्रक्रिया में हम यह भूल जाते हैं कि हम कोई मशीन नहीं हैं, बल्कि संवेदनशील और चेतन प्राणी हैं। हम अपनी भावनाओं को दबा देते हैं। अपनी इच्छाओं को टाल देते हैं और अपने मन की आवाज को अनसुना कर देते हैं। परिणामस्वरूप, हम बाहर से सफल दिखते हैं, लेकिन अंदर से खाली महसूस करते हैं। मानव स्वभावतः सामाजिक प्राणी है। हम श्रितों में जीते हैं, समाज में रहते हैं और दूसरों से जुड़े रहते हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम पूरी तरह दूसरों के लिए जीने लगते हैं और स्वयं को भूल जाते हैं। माता-पिता बनने पर बच्चों के लिए जीते हैं।



हम अपने विचारों को नियंत्रित नहीं करते हैं। शांति और वस्तु नहीं है। जिसे खरीदा जा सके, बल्कि यह एक अवस्था है जिसे अनुभव किया जाता है। यदि हमें अपने जीवन का वास्तविक अर्थ समझना है, तो हमें आत्मचिंतन की ओर लौटना होगा। आत्मचिंतन का अर्थ होता है अपने भीतर झांकना, अपने विचारों और भावनाओं को समझना। आत्मचिंतन से यह हम सम्झ में आता है कि हम वास्तव में क्या चाहते हैं। हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है? हमें किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? यह प्रक्रिया हमें बाहरी शोर से दूर ले जाकर आंतरिक शांति की ओर ले जाती है। हम दिन भर दूसरों की बातें सुनते हैं, लेकिन अपने मन की आवाज को अनसुना कर देते हैं। यदि हम सच में संतुलित जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें स्वयं को सुनना सीखना होगा। अपने विचारों को पहचानना होगा। अपनी भावनाओं को

स्वीकार करना होगा। अपने मन की इच्छाओं की समझना होगा। जब हम स्वयं को सुनते हैं, तो हमें अपने भीतर लिखी हुई सच्चाई दिखाई देने लगती है। जीवन का वही हिस्सा सच्चा होता है जिसे हम जागरूकता के साथ जीते हैं। जागरूकता का अर्थ होता है हर क्षण को पूरी तरह महसूस करना। जब ध्यान खा रहे हैं, तो केवल भोजन पर ध्यान देना। जब किसी से बात कर रहे हैं, तो पूरी तरह उपस्थित रहना। जब स्वयं सोच रहे हैं, तो अपने विचारों को समझना। जागरूकता हमें वर्तमान में जीना सिखाती है। और यही वर्तमान ही जीवन का वास्तविक स्वरूप होता है। समय निरंतर बहता रहता है। हम उसे रोक नहीं सकते, लेकिन उसका सही उपयोग जरूर कर सकते हैं। अधिकांश लोग समय को केवल काम और जिम्मेदारियों में खर्च कर देते हैं, लेकिन क्या हम अपने लिए समय निकालते हैं? क्या

हम अपने मन की शांति के लिए कुछ करते हैं। यह नहीं, तो हम केवल समय के साथ बह कर रहे हैं, जिससे जीना नहीं कहते हैं। स्वयं के लिए समय निकालना कोई विवादास्पत नहीं होता है, बल्कि आवश्यकता है। यह हमें मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाता है। यह हमें तनाव से मुक्त करता है। यह हमारी सोच को स्पष्ट करता है। यह हमें संतुलित जीवन जीने में मदद करता है। दिन में कुछ समय केवल अपने लिए रखना चाहिए, चाहे वह ध्यान हो, पढ़ना हो या केवल शरीर बैठाना। आज के समय में मानसिक तनाव एक सामान्य समस्या है। क्या है। इसका मुख्य कारण यही है कि हम स्वयं को समय नहीं दे पाते हैं। क्योंकि लगातार काम का दबाव बना रहता है। आज के समय में सोशल मीडिया का प्रभाव लगातार बना रहता है। अक्सर दूसरों से तुलना करने रहते हैं।



जितेन्द्र कुमार सिन्हा

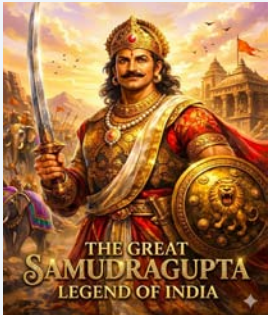
(लेखक)

आ ज का युग गति का युग है। हर व्यक्ति किसी न किसी दौड़ में शामिल है। किसी को करियर बनाना है, किसी को परिवार संभालना है, तो किसी को समाज में अपनी पहचान स्थापित करनी है। इस निरंतर भागदौड़ में एक प्रश्न बहुत पीछे छूट गया है, वह है क्या हम वास्तव में अपने लिए जी रहे हैं? हम दिन भर दूसरों के लिए काम करते हैं, दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, दूसरों की नजरों में अच्छा बनेने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब बात आती है स्वयं के लिए समय निकालने की, तो हम असहाय नज आते हैं। यही वह स्थिति है जहाँ से जीवन में खालीपन, तनाव और अस्तोष जन्म लेते हैं। आधुनिक जीवन धीरे-धीरे एक मशीन की तरह हो गया है। सुबह उठना, काम पर जाना, दिनभर भागदौड़ करना, फिर घर लौटकर अगले दिन की तैयारी

करना। यह चक्र लगातार चलता रहता है। इस प्रक्रिया में हम यह भूल जाते हैं कि हम कोई मशीन नहीं हैं, बल्कि संवेदनशील और चेतन प्राणी हैं। हम अपनी भावनाओं को दबा देते हैं। हम अपनी इच्छाओं को ठाल देते हैं और अपने मन की आवाज को अनुसूना कर देते हैं। परिणामस्वरूप, हम बाहर से सफल दिखते हैं, लेकिन अंदर से खाली महसूस करते हैं। हम स्वभावतः सामाजिक प्राणी हैं। मान रीश्यों में जीते हैं, समाज में रहते हैं और दूसरों से जुड़े रहते हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम पूरी तरह दूसरों के लिए जीने लगते हैं और स्वयं को भूल जाते हैं। माता-पिता बच्चे पर बचों के लिए जाते हैं। बचों माता-पिता की अपेक्षाओं के लिए जीते हैं। कर्मचारि अपने बॉस और संस्थान के लिए जीते हैं। इस चक्र में हस्त्ययुद्ध कहीं जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि यदि हम स्वयं

खुश और संतुलित नहीं हैं, तो हम दूसरों को भी सच्चा सुख नहीं दे सकते हैं। आज का सबसे बड़ा संकट यह है कि हम स्वयं से दूर हो चुके हैं। हम अपने भीतर झांकने से डरते हैं क्योंकि भाव हमें अपने अधूरे प्रपन्न, दबे हुए अन्तर और अनकहे प्रश्न दिखाई दे रहे हैं। जब हम स्वयं से दूर होते हैं, तो हमें अपने जीवना का उद्देश्य स्पष्ट नहीं होता है। हम निर्णय लेने में असमर्थ हो जाते हैं। हम बाहरी परिस्थितियों के गुलाम बन जाते हैं और यह स्थिति हमें मानसिक रूप से कमजोर और अस्थिर बना देती है। हर व्यक्ति शांति चाहता है। कोई उसे धन में खोजता है, कोई रिश्तों में, तो कोई उपलब्धियों में। लेकिन सच्चाई यह है कि शांति बाहर नहीं होती है बल्कि भीतर होती है। हम शांति चाहते हैं, लेकिन उसे आपसपास नही कर पाते, क्योंकि हम अपने मन को समझते नहीं हैं। हम स्वयं के साथ समय नहीं बिताते हैं।

सम्राट समुद्रगुप्त का युग : राष्ट्रीय शक्ति, सुशासन और भारत की वैश्विक पहचान का स्वर्णिम अध्याय



और सामाजिक एकता से होता है। राजनीतिक एकता : राष्ट्र निर्माण का आधार समुद्रगुप्त के समय भारत अनेक छोटे-बड़े राज्यों में विभाजित था। उस समय की सबसे बड़ी चुनौती थी—राजनीतिक अस्थिरता के बीच

क्षमता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सामाजिक समन्वय की प्रेरणा मिलती है। प्राचीन भारत के इतिहास में सम्राट समुद्रगुप्त का शासनकाल ऐसा ही एक महत्वपूर्ण अध्ययन है। उनका युग केवल एक साम्राज्य विस्तार का काल नहीं था, बल्कि राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक उत्कर्ष और राष्ट्रीय दृष्टि के निर्माण का काल था। आज जब भारत विश्व मंच पर अपनी नई पहचान स्थापित करने की दिशा में अग्र बढ़ रहा है, तब समुद्रगुप्त का युग हमें यह समझने का अवसर देता है कि किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं होता, बल्कि मजबूत संस्थाओं, दूरदर्शी नेतृत्व, आर्थिक स्थिरता और

एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना, जो व्यापक क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा प्रदान कर सके। समुद्रगुप्त ने अपनी सैन्य क्षमता, कूटनीतिक समझ और प्रशासकीय कुशलता के माध्यम से एक प्रभावशाली राजनीतिक व्यवस्था स्थापित की। उनके अभियान केवल विजय की महत्वाकांक्षा तक सीमित नहीं थे, बल्कि उनका उद्देश्य एक ऐसी शक्ति संरचना बनाना था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ा जा सके। व्यापक राजनीतिक दृष्टि से जोड़ा जा सके। यह विचार आज भी उनका ही प्रासंगिक है। आधुनिक लोकतांत्रिक भारत में भी राष्ट्रीय एकता केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं बनती, बल्कि साझा उद्देश्य, संवैधानिक मूल्यों और

सामाजिक सहयोग से मजबूत होती है। शक्ति और नीति का संतुलन है समुद्रगुप्त की राजनीतिक दृष्टि महान नेतृत्व की पद्याना केवल शक्ति में नहीं, बल्कि शक्ति के सही उपयोग में होती है। समुद्रगुप्त की नीति में यह संतुलन दिखाई देता है। उन्होंने जहां आवश्यक हुआ वहां शक्ति का प्रयोग किया, वहीं अनेक क्षेत्रों में स्थानीय व्यवस्था और परंपराओं को समान्य देते हुए समन्वय की नीति अपनाई यह उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता को दर्शाता है। किसी भी राष्ट्र के लिए यह आवश्यक होता है कि वह अपनी शक्ति को केवल प्रभुत्व स्थापित करने के लिए नहीं, बल्कि स्थिरता, विकास और जनकल्याण के लिए उपयोग करे। सुशासन : विकास की पहली शर्त किसी भी स्वर्णिम युग का आधार केवल शासक की वीरता नहीं होती, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था होती है। समुद्रगुप्त के शासन में राज्य व्यवस्था

को मजबूत किया गया और आर्थिक-सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला। सुशासन का अर्थ केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं है, बल्कि नागरिकों के जीवन में स्थिरता, अधिकार और विकास की संभावना पैदा करना है। आज के लोकतांत्रिक भारत में भी यही सिद्धांत लागू होता है। प्रभावों तथा संघर्ष है जब प्रशासन प्रकाश में, संस्थाएँ मजबूत होती और नीतियाँ जनहित को केन्द्र में रखकर बनाई जाएँ। आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता का संदेश समुद्रपार के अन्त्यर्गत भारत आर्थिक रूप से समृद्ध राष्ट्रों में शामिल था। कृषि, व्यापार, विश्वशिल्प और वाणिज्य ने अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की। भारत की आर्थिक शक्ति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं थी, बल्कि व्यापारिक नेटवर्क और उद्यमशील समाज भी उसकी ताकत थे। आज के भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण संदेश है।

ग्रामीण सड़कों पर अब नहीं दौड़ेंगे भारी वाहन, अवैध बालू परिवहन रोकने को लगेगा हाइट बैरियर : डीएम

■ **ग्रामीण सड़कों की सुरक्षा और संपर्कता पर प्रशासन सख्त, जलजमाव से लेकर लॉबित परियोजनाओं तक की होगी विशेष निगरानी**

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। ग्रामीण सड़कों को भारी न्यावसायिक वाहनों से होने वाले नुकसान से बचाने तथा उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता बनाए रखने के लिए सारण प्रशासन ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग और ग्रामीण सड़कों की आयु एवं गुणवत्ता सुरक्षित रहेगी। बैठक में ग्रामीण संपर्कता की और मजबूत बनाने के लिए निमार्णाधीन एवं प्रस्तावित ग्रामीण सड़कों की प्राथमिकता सूची एक सप्ताह के भीतर तैयार करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिकता तय करने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सुझाव अवश्य लिए जाएं, ताकि विकास कार्य स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

सभी कार्यपालक अभियंताओं को अपने-अपने प्रमंडलों की ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों की अद्यतन सूची

करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने ग्रामीण कार्य विभाग के चारों कार्य प्रमंडलों के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे स्थानों की पहचान कर प्रस्ताव तैयार करें, जहां हाइट बैरियर लगाए जा सकें। तकनीकी जांच के बाद इन स्थलों पर आवश्यकतानुसार बैरियर स्थापित किए जाएंगे, जिससे भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगेगी और ग्रामीण सड़कों की आयु एवं गुणवत्ता सुरक्षित रहेगी। बैठक में ग्रामीण संपर्कता की और मजबूत बनाने के लिए निमार्णाधीन एवं प्रस्तावित ग्रामीण सड़कों की प्राथमिकता सूची एक सप्ताह के भीतर तैयार करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिकता तय करने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सुझाव अवश्य लिए जाएं, ताकि विकास कार्य स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

सभी कार्यपालक अभियंताओं को अपने-अपने प्रमंडलों की ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों की अद्यतन सूची

उपलब्ध कराने तथा प्रखंड स्तर पर उनकी वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन कराने का निर्देश भी दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या पर गंभीरता दिखाते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी जलजमाव वाले स्थलों की सूची जियो-टैग फोटोग्राफ के साथ उपलब्ध कराई जाए। इन स्थलों पर प्राथमिकता के आधार पर जल निकासी एवं नाला निर्माण की कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। बैठक में भूमि विवाद अथवा स्थानीय कारणों से लॉबित ग्रामीण सड़क परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऐसी सभी बाधाओं की सूची उपलब्ध कराई जाए, ताकि संबंधित अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी के माध्यम से उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित कर विकास कार्य में तेजी लाई जा सके। बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग, सारण के चारों कार्य प्रमंडलों के कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे और जिलाधिकारी द्वारा

1 जुलाई से जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में फिर गुंजेगी पढ़ाई की घंटी

छपरा। सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने भीषण गर्मी और अत्यधिक तापमान को लेकर जारी पूर्व आदेश को विलोपित करते हुए जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 जुलाई 2०26 से नियमित पठन-पाठन शुरू करने का आदेश जारी किया है। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पूर्व में 28 जून 2026 को जारी आदेश के तहत कक्षा 1 से 8 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 4 जुलाई तक रोक लगाई गई थी। लेकिन वर्तमान में मौसम की स्थिति में सुधार तथा तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज होने के कारण सामान्य शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन

के लिए परिस्थितियां अनुकूल मानी गई हैं। इसी के मद्देनजर पूर्व आदेश को निरस्त करते हुए निर्देश दिया गया है कि 1 जुलाई 2026 से जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालय, महाविद्यालय तथा आंगनबाड़ी केंद्र निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित किए जाएं। जिलाधिकारी के इस आदेश की सूचना सभी संबंधित विभागों, जिला शिक्षा पदाधिकारी, आई सीडीएस, प्रशासनिक अधिकारियों तथा प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए भेज दी गई है। साथ ही आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी निर्देश दिया गया है।

दिए गए निर्देशों के त्वरित अनुपालन

का भरोसा दिलाया

मांझी में 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी ड्रॉप पिलाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

मांझी। मांझी में स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी तीन दिवसीय प्लस पोलियो अभियान के अंतर्गत 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी ड्रॉप पिलाई गई। मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित प्रखंड अंतर्गत सभी उप स्वास्थ्य केंद्र में बड़े पैमाने पर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को दवा पिलाने का कार्य जारी है। इस संस्बंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रोहित कुमार ने बताया कि यह अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रखंड के सभी उप स्वास्थ्य केंद्र पर सेंटर बनाया गया है। जिन पर सुबह 8 बजे से सायं 4 तक पल्स पोलियो रोधी दवा पिलाई जा रही है.30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर 5 साल तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाएंगी उन्होंने अभिभावकों



से अपने बच्चों को पोलियो वैकसीन पिलाने की अपील की। इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारी विवेक ब्याहुत, मुन्ना सिंह,मिथलेश कुमार,स्वास्थ्य प्रबन्धक राम मूर्ति सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

पूर्व प्राचार्य के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर । सूर्यदेव सिंह महाविद्याल रामपुर नूर नगर जलालपुर के पूर्व प्राचार्य एवं ग्राम बसडिला निवासी इन्दू भूषण मिश्र का निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों, शुभचिंतकों, पूर्व विद्यार्थियों तथा विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की हैं और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इन्दू भूषण मिश्र को एक कुशल शिक्षक, अनुशासनप्रिय प्राचार्य और सरल एवं उच्च विचारों वाले व्यक्तित्व के रूप में याद किया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को लोग लंबे समय तक स्मरण करते रहेंगे। उनके निधन से क्षेत्र ने एक सम्मानित शिक्षाविद और समाजसेवी को खो दिया है। शोक व्यक्त करने वालों में बीस सूत्री अध्यक्ष जलालपुर मनोज कुमार सिंह, जेपी सेनानी ललनदेव तिवारी, भोला सिंह, नगेन्द्र सिंह, अशोक सिंह, नंदन सिंह, अवधेश सिंह, रामेश्वर सिंह, मदन सिंह (काका), उमेश सिंह, पूर्व मुखिया मनोज मिश्र सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल रहे। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों ने कहा कि इन्दू भूषण मिश्र का जीवन शिक्षा, सेवा और सदाचार पर बल व्यक्तित्व के रूप में

याद किया जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को लोग लंबे समय तक स्मरण करते रहेंगे। उनके निधन से क्षेत्र ने एक सम्मानित शिक्षाविद और समाजसेवी को खो दिया है। शोक व्यक्त करने वालों में बीस सूत्री अध्यक्ष जलालपुर मनोज कुमार सिंह, जेपी सेनानी ललनदेव तिवारी, भोला सिंह, नगेन्द्र सिंह, अशोक सिंह, नंदन सिंह, अवधेश सिंह, रामेश्वर सिंह, मदन सिंह (काका), उमेश सिंह, पूर्व मुखिया मनोज मिश्र सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल रहे। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों ने कहा कि इन्दू भूषण मिश्र का जीवन शिक्षा, सेवा और सदाचार पर बल व्यक्तित्व के रूप में

चिरांद चेतना महोत्सव में काशी के 11 बटुकों की भव्य गंगा महाआरती, आस्था और संस्कृति से गूंजा बंगाली बाबा घाट

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले के ऐतिहासिक एवं विश्व प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल चिरांद स्थित बंगाली बाबा घाट पर सोमवार को आयोजित चिरांद चेतना महोत्सव एवं गंगा गरिमा रक्षा संकल्प समारोह धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का भव्य संगम बन गया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गंगा नदी घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार, भक्ति संगीत और दीपों की दिव्य आभा ने श्रद्धामय वातावरण का सृजन किया। समारोह का उद्घाटन बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने चिरांद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को देश- दुनिया तक पहुंचाने तथा गंगा संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य

सारण में जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

■ **मेथवलिया फोरलेन चौक पर जदयू कार्यकर्ताओं का शक्ति प्रदर्शन, जिला अध्यक्ष बैदनाथ प्रसाद सिंह ‘बिकल’ के नेतृत्व में हुआ भव्य स्वागत**

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जनता दल (यूनाइटेड) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक उमेश सिंह कुशवाहा के सिवान जाने के क्रम में सारण जिले के मेथवलिया फोरलेन चौक पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जिला अध्यक्ष बैदनाथ प्रसाद सिंह ह्यबिकलहू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को फूल-माला, अंगवस्त्र एवं बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूरे परिसर में जदयू कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में पार्टी के समर्थन में नारे



लगाए और संगठन की मजबूती का संदेश दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन प्रकाश व्याहुत, राकेश कुमार, राहुल यादव, शम्भू मांझी, छोटे लाल राय, कुसुम रानी, ललिता सिंह, हरेश बिन्द सहित बड़ी संख्या में जदयू के सभी से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

स्वागत समारोह में जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष मुरारी सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, जिला प्रवक्ता बृजेश कुमार, ई. प्रभाष शंकर, कुसुम देवी, काजिम रजा रिजवी,

बाल्मीकि पाठक, जयप्रकाश महतो, अशोक सिंह, सत्यनारायण सिंह, मनोज सिंह, अनिल सिंह, रवि प्रकाश ब्याहुत, राकेश कुमार, राहुल यादव, शम्भू मांझी, छोटे लाल राय, कुसुम रानी, ललिता सिंह, हरेश बिन्द सहित बड़ी संख्या में जदयू के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का यह दौरा संगठनात्मक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं का मनोबल और अधिक मजबूत होगा।

साभ्यत्किक विकास का माडल है चिरांद: डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। गंगा, सरयू और सोन नद के संगम पर आयोजित चिरांद चेतना महोत्सव के 19 वे आयोजन का उद्घाटन करते हुए बिहार के कला-संस्कृति मंत्री डा. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि विश्व का दुर्लभ पुरातात्विक स्थल चिरांद साभ्यत्किक विकास का एक ऐसा माडल है जो वर्तमान की समस्याओं के कारण व निवारण पर प्रकाश डालता है। उन्होंने कहाकि दस वर्षों के उत्खनन से निकले पुरातात्विक साक्ष्य यह बताते हैं कि भारत का यह प्राचीन स्थल ऋषि व कृषि संस्कृति का समन्वय केंद्र था। भारत की ज्ञान परंपरा यहां के लोक व्यवहार में था। यहां दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति देने वाली समाज व अर्थ व्यवस्था थी। वर्तमान में विश्व के समाज विज्ञानी इसे सस्टेनेबल डेवलपमेंट माडल कहते हैं। चिरांद चेतना महोत्सव के तहत मंत्री डा. प्रमोद चंद्रवंशी ने पुरातात्विक स्थल पर चिरांद उत्खनन में प्राप्त अवशेषों एवं इसके इतिहास से संबंधित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके साथ ही वे अयोध्या के प्रमुख लक्ष्मण किला की गुरु गद्दी चिरांद स्थित अयोध्या मंदिर में लक्ष्मण किलाधीस महंत श्री मैथिली रमण शरण जी महाराज, प्रसिद्ध संत मौनी बाबा व अन्य धर्माचार्यों के साथ इसके सांस्कृतिक महत्व के पुनर्स्थापना



पर चर्चा की। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अयोध्या मंदिर में दर्शन-पूजन भी किए। चिरांद संगम क्षेत्र स्थित बंगाली बाबा घाट पर आयोजित चिरांद चेतना महोत्सव सह गंगा गरिमा रक्षा संकल्प समारोह का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहाकि हजारों की संख्या में एकत्रित लोगों की श्रद्धा सनातन संस्कृति का संबल है। हमारा प्रयास है कि सरकार इस आयोजन को राजकीय समारोह के रूप में मान्यता दे। उन्होंने कहाकि सरकार बहुत जल्द उत्खनन लेंगी और आपको अवगत करायेंगी। समारोह में साहित्य, कला, पर्यावरण, कृषि, सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुरुषार्थियों को चिरांद रत्न सम्मान दिया गया। साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रो. अरुण कुमार भगत, पर्यावरण के क्षेत्र में रामबिलास शाण्डिल्य, संगीत के क्षेत्र में पं.रामप्रकाश मिश्र, कृषि के क्षेत्र में साक्षी कुमारी एवं सेवा के क्षेत्र में डा. डीके ओझा को चिरांद रत्न सम्मान दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

विद्यालयों में चल रहे समर कैम्प का हुआ समापन समारोह

बनियापुर।ब्रखंड के मध्य विद्यालयों मेंपहली जून सेचल रहे समर कैम्प का आज विधिवत समापन हो गया। अंतिम दिन समर कैम्प में शामिल बच्चों के अभिभावक भी शामिल हुए अभिभावक समर कैम्प के दौरान अपने बच्चों में हुए प्रोजेस से अवगत हुए।विदित हो कि इस समर कैम्प में वनोचार, पांच और छः के व बच्चे शामिल हुए थे जो किताने पढ़ने तथा गणित में बहुत कमजोर थे।इन बच्चों को गांव के ही स्वयंसेवी,तालिमी मरकज और टोला सेवक पढ़ा रहे थे।।अभिभावक अपने बच्चों के प्रोजेस को देखकर अत्यंत प्रसन्न थे। स्वयंसेवी,तालिमी मरकज और टोला सेवकों की उनके इस कार्य के लिए सबने सराहना की।मध्य विद्यालय हरपुर ,मध्य विद्यालय बनियापुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेदौली, उत्क्रमित मध्य विद्यालय नंदलाल टोला, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया सहित अन्य सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने बच्चों के पहले इन बच्चों में आत्मविश्वास की कमी थी, लेकिन आज येबच्चे आत्मविश्वास से भरए हुए थे।अब इन्हें दर्गे में किताने पढ़ने गणित आदि में कोई कठिनाई नहीं होगी।मौके पर सभी शिक्षक शामिल थे।

सामूहिक दुष्कर्म्म मामले में प्राथमिकी दर्ज, आरोपितों की तलाश में छापेमारी

सीवान/दारौदा थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म्म के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नामजद तथा तीन अज्ञात आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है।मामला पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर दर्ज किया गया है।सीवान सहिला थाना अध्यक्ष सुमन कुमारी ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर विधिबद्धता कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दारौदा पुलिस ने तीन फरार वारंटियों को किया गिरफ्तार, मेजा जेल

सीवान/दारौदा:- दारौदा थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपितों में रामगढ़ गांव निवासी न्यूज़ कुमार, रणइंजंज गांव निवासी अवधेश कुमार तथा बगौरा गांव निवासी मैनेजर महतो शामिल हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तीनों आरोपितों के खिलाफ न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी था और वे लंबे समय से फरार चल रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर दारौदा थाना पुलिस ने छापेमारी कर तीनों को गिरफ्तार कर ली। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर तीनों आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि फरार अपराधियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए थाना क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के उभासंकर प्रसाद हाई स्कूल इंटर कॉलेज में विद्यालय के परिचारी मनकेश्वर पांडे के सेवानिवृत्त होने पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार सिंह ने की। इस मौके पर विद्यालय परिवार द्वारा मनकेश्वर पांडे को अंग वस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। मौके पर बोलते हुए विद्यालय के दाता सूरस्य इं० प्रमोद रंजन ने कहा कि मनकेश्वर पांडे ने विद्यालय को सजाने एवं संवारने में अपना अहम योगदान दिया है। इन्होंने हमेशा ही विद्यालय को अपने घर के जैसा समझ कर सेवा की है। उनकी कमी हमेशा ही विद्यालय परिवार को

खलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार सिंह ने मनकेश्वर पांडे की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक किया है। वह हमेशा ही विद्यालय को अपने परिवार जैसा समझा करते थे उनके जाने से विद्यालय में खालीपन जैसा महसूस हो रहा है। समारोह का संचालन विद्यालय के शिक्षक दीनानाथ पांडे ने किया। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं तथा अन्य विद्यालय के प्रतिनिधि उपस्थित थे। विद्यालय परिवार ने सेवानिवृत्त परिचारी मनकेश्वर पांडे को फूल माला पहना कर उनकी विदाई की। वही मनकेश्वर पांडे ने अपने विदाई भाषण में भरोसा दिलाया की विद्यालय से जो उनका संबंध बना हुआ है वह आजीवन बना रहेगा।

सारण में बोले पप्पू यादव: बिहार में कानून व्यवस्था ध्वस्त, अपराधियों के आगे नतमस्तक है पुलिस

■ **छपरा पहुंचे सांसद पप्पू यादव, पीड़ित परिवार से मिल कहा-बिहार में चल रहा है महागंगलराज**

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार में तेजी से बिगड़ती समस्या एवं बढ़ते अपराध के ग्राफ को लेकर पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। छपरा में हुए हालिया हत्याकांड के बाद पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे सांसद ने सारण पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर

सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अपराधियों को पकड़ने के बजाय मामले को बढ़ाने और जांच को भटकाने में जुटी है। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि आज पूरे बिहार में भय का माहौल है। आए दिन हो रही हत्याओं, लूट और गोलीबारी की घटनाओं ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है। वर्तमान सरकार अपराधियों पर नकेल कसने में पूरी तरह नाकाम सुलित हुई है। उन्होंने स्थानीय पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कर दीयों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे नहीं भेजा

जनसेवा को समर्पित हुआ मर्चुरी बॉक्स



प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। लार्यंस क्लब ऑफ छपरा टाउन द्वारा जनहित एवं मानव सेवा के उद्देश्य से मर्चुरी बॉक्स को आम नागरिकों की सेवा हेतु समर्पित किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस के पाण्डेय, डॉ राकेश कुमार प्रसाद, प्रमोद मिश्रा, धर्मेन्द्र चौहान, अमरनाथ, कुंवर जायसवाल ने फीता काट के लोकार्पण हुआ। लार्यंस अध्यक्ष अभिषेक किशोर ने कहा कि लार्यंस क्लब का मूल उद्देश्य सेवा, समर्पण और मानवता है तथा समाज के हर वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करना संस्था की प्राथमिकता रही है। मर्चुरी बॉक्स की उपलब्धता से शोकाकुल परिवारों को कठिन परिस्थितियों में आवश्यक सुविधा प्राप्त होगी और उन्हें सम्मानजनक सहयोग मिल सकेगा। वही डॉ एस के ने कहा कि मानव सेवा ही सर्वोच्च धर्म है और लार्यंस क्लब सदैव समाजहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका

निभाता रहेगा। सचिव मनोष कुमार मनी ने बताया कि यह सुविधा आम जनता के उपयोग के लिए उपलब्ध होगी और भविष्य में भी संस्था जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास करती रहेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम चेयरपर्सन लायन कुंवर जायसवाल, मर्यंक जायसवाल, गोविंद सोनी,कबीर, विकास गुप्ता, सतीश पांडे, अर्जुन पंडित, धीरज सिंह, डॉ राकेश सिंह, अमित सोनी, उज्ज्वल सिंह, आशुतोष पाण्डेय, आदित्य सोनी अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए। लार्यंस क्लब ऑफ छपरा टाउन ने संस्थापक अध्यक्ष सह कार्यक्रम चेयरपर्सन लायन कुंवर जायसवाल ने पुनः यह संकल्प दोहराया कि लार्यंस क्लब वह सेवा, समर्पण और मानवता के मूल मंत्र के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।



संक्षिप्त खबरें

आहर से मिले अज्ञात युवती के शव की हुई पहचान

आरा। जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव स्थित खेत के आहर से बरामद अज्ञात युवती के शव की पहचान घटना के दूसरे दिन हो गई। मृतका की पहचान झारखंड के गोड्डा जिला के हनवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत विश्वास रवानी गांव निवासी गुलाबी मंडल की 19 वर्षीय पुत्री अंजु कुमारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के खेत में स्थित आहर से पुलिस ने एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया था। शव का चेहरा और शरीर पूरी तरह सड़-गल चुका था, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेजा गया। हालांकि शव अत्यधिक सड़-गल जाने के कारण ऑन ड्युटी चिकित्सक ने पोस्टमार्टम के लिए उसे पटना रेफर कर दिया। मंगलवार को शव की पहचान झारखंड निवासी अंजु कुमारी के रूप में होने के बाद पुलिस ने उसके परिजनों को इसकी सूचना दी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। युवती की मौत किणम परिस्थितियों में हुई और उसका शव आहर तक कैसे पहुंचा, इसका पता लगाने के लिए विभिन्न पहुंटओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

मुहर्तम पर अम्हरूहॉ में पारंपरिक खेलकूद आयोजित

सहार (भोजपुर)। मुहर्तम के अवसर पर अम्हरूहॉ में इस्लामिया कमिटी के तत्वावधान में टीबाना, बनेटी व तलवार जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चार गांवों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें कर्मा गांव विजेता रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन सरपंच मदन मोहन राय ने किया। मौके पर जिनप्रतिनिधियों, कमेटी के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सहार प्रखंड प्रमुख दूसरी बार बने माफ्फा माले के मदन सिंह चन्द्रवंशी

सहार आरा । सहार प्रखंड प्रमुख दुसरी बार भाकपा माले के मदन सिंह चन्द्रवंशी चुने गये। इसके पहले भाकपा माले के मदन सिंह चन्द्रवंशी वर्ष 2016 में ढाई साल के लिए प्रखंड प्रमुख बनाये गये थे। पूर्व से सघर्षित समय अनुसार आज एएसडीओ कार्यालय आरा में हुए मतदान में 17 समिति सदस्यों में से मदन सिंह को 8 मत और 7 मत विपक्षी उम्मीदवार सिंकु देवी को प्राप्त हुआ। वहीं दो मत रद्द हुए जिसमें एक मत सदा और एक मत दोनों उम्मीदवार को दिये गये थे। इस प्रकार दो मत रद्द किया गया।बताते चलें कि 17 अप्रैल 2026 को प्रखंड प्रमुख पिय रंजन सिंह उर्फ गुड्डू सिंह के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित कर प्रखंड प्रमुख के पद से हटा दिया गया। जिसके बाद से प्रखंड प्रमुख सहार की कुर्सी खाली थी। जहाँ आज हुए मतदान में भाकपा माले के प्रखंड प्रमुख मदन सिंह चन्द्रवंशी दुसरी बार चुने गये। दूसरी बार भाकपा माले के प्रखंड प्रमुख बनने पर बधाई देने वालों में भाकपा मावे सचिव दिलीप कुमार, मो इमरान अली, राम दत्त राम, पृथ्वी नाथ राम, मो मौबीन, गणेश ठाकुर सहित अन्य लोगों ने बधाई दिया।

कोईतर की सड़कों अ पधेरा, दो दर्जन से अधिक तिरंगा लाइटें खराब

आरा।नगर पंचायत कोईलवर में खराब पड़ी तिरंगा लाइटों के कारण प्रमुख सड़कों पर रात के समय अंधेरा पहरा रहता है। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों की आशंका भी बढ़ गई है। नगर की सबसे खराब स्थिति स्टेशन रोड, थाना रोड, मानसिक अस्पताल रोड तथा कोईलवर चौक से विभिन्न वाहनों होते हुए वार्ड संख्या- दो तक जाने वाली सड़क की है। इन मार्गों पर दो दर्जन से अधिक तिरंगा लाइटों लंबे समय से खराब पड़ी हैं। इसके अलावा मानसिक अस्पताल मोड़ पर लगी हाईमास्ट लाइट भी पिछले करीब दो माह से बंद है, जिससे पूरे इलाके में रात के समय घना अंधेरा छाया रहता है। स्थानीय निवासी राकेश और मनोज ने बताया कि रात में पंचायत रोशनी नहीं होने से लोगों को आवागमन में कठिनाई होती है। विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली छात्रों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अंधेरे की वजह से सड़क दुर्घटनाओं और चोरी-छिन्नवट जैसी घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। इस संबंध में नगर पंचायत के मुख्य पार्षद सरताज आलम ने बताया कि नगर क्षेत्र में कई हाईमास्ट लाइटों के खराब होने की सूचना मिली थी। इन्हें एनएच मोड़, थाना मोड़ और कपिलदेव चौक पर लगी हाईमास्ट लाइटों की परम्पत्त कर दी गई है। वहीं, खराब तिरंगा लाइटों को दुरुस्त कराने के लिए संबंधित एजेंसी को निर्देश दिया गया है।

वीकेएसयू ग्रेजुएशन और वोकेशनल कोर्स में छात्राओं को बड़ी राहत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा ने छात्रहित में बड़ा निर्णय लेते हुए स्नातक एवं व्यावसायिक (वोकेशनल) पाठ्यक्रमों में सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए नामांकन शुल्क समाप्त करने की घोषणा की है। इसके साथ ही शैक्षणिक सत्र 2014-15 से 2024-28 तक नामांकित अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एस्टी) के विद्यार्थियों से ली गई नामांकन शुल्क वापस (रीइम्बर्समेंट) करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। यह निर्णय विश्वविद्यालय मुख्यालय में कुलपति प्रो. दिग्विजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक में लिया गया। बैठक में कुलपति ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिया कि वे पिछले दस वर्षों में नामांकित एससी-एसटी विद्यार्थियों का सत्यापित विवरण शीघ्र विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि शुल्क वापसी की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जा सके। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि



राज्य सरकार के निर्देश, विभागीय संकल्प संख्या 1457 (24 जुलाई 2015) तथा पटना उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार एससी-एसटी छात्रों से नामांकन शुल्क नहीं लिया जाना चाहिए। हालांकि, सीबीसीएस प्रणाली लागू होने के दौरान स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अभाव में कई महाविद्यालयों ने छात्रों से शुल्क जमा करा लिया था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इससे पहले भी 7 दिसंबर 2023 को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे।

पुलिस को धमकी देने वाले व्यक्ति पर होगी एफआईआर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर पुलिस ने शाहपुर थाना क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक एवं धमकीपूर्ण बयान देने के मामले में कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, भोजपुर की ओर से जारी प्रेस विज्ञापित में बताया गया है कि रायबरेली (उत्तर प्रदेश) निवासी दीपक दीक्षित उर्फ पंडित द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मीडिया माध्यमों पर लगातार पुलिस अधिकारियों को जान से मारने की खुली धमकियां दी जा रही हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी द्वारा पुलिस एवं प्रशासन के खिलाफ भड़काऊ बयान देकर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने, पुलिस अधिकारियों के प्रति घृणा और हिंसा फैलाने तथा भया का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही भोजपुर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों के विरुद्ध सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान भी चलाया जा रहा है। प्रेस विज्ञापित

में कहा गया है कि संबंधित व्यक्ति पुलिस मुठभेड़ को लेकर बिना किसी सत्यापित आधार के गंभीर आरोप लगा रहा है और सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस अधिकारियों को गोली मारने जैसी धमकियां दे रहा है। ऐसे बयान हिंसा को बढ़ावा देने वाले हैं और सार्वजनिक शांति एवं कानून-व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी का अपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश के विभिन्न थानों में महिला से छेड़छाड़, दुष्कर्म, फोटो-वीडियो वायरल करने तथा जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर मामलों में प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आरोपी द्वारा प्रसारित वीडियो, बाइड एवं अन्य डिजिटल सामग्री, तकनीकी और विधिक जांच कराई जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि भ्रामक एवं भड़काऊ सामग्री से बचें तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

पीएचडी शोधार्थियों के लिए नए नियम, रिसर्च सेंटर में करना होगा एक साल का कार्य

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। पीएचडी करने की तैयारी कर रहे शोधार्थियों के लिए जल्द ही नए नियम लागू हो सकते हैं। राज्य सरकार ने पीएचडी से संबंधित नया रेगुलेशन पारित किया है, जिसे विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अनुमोदन के लिए भेजा गया है। नए नियमों के लागू होने के बाद शोधार्थियों को पीएचडी कोर्स वर्क के पश्चात कम-से-कम एक वर्ष तक किसी रिसर्च सेंटर में कार्य करना अनिवार्य होगा। यदि शोधार्थी का कार्य संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।

आरा। बिहार के अपर सचिव-सह अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी माधव कुमार सिंह ने मंगलवार को ब्लॉक रोड स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंशिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली तथा ईवीएम एवं वीवीपैट के रखरखाव का विस्तृत जांचका लिया। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं सुरक्षा बलों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईवीएम

भी जा सकेगी। नए मसौदे के अनुसार पीएचडी में प्रवेश केकेवल यूजीसी-नेट उत्तीर्ण करने के बाद ही मिलेगा। अभ्यर्थियों का चयन नेट के अंकों और साक्षात्कार के आधार पर तैयार मेरिट सूची से किया जाएगा। इसमें नेट स्कोर को 80 प्रतिशत तथा इंटरव्यू को 20 प्रतिशत वेटेज दिया जाएगा। इंटरव्यू के दौरान प्रत्येक सीट पर उपलब्धता के अनुसार तीन अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा। रेगुलेशन में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि सरकारी कॉलेजों और पीजी विभागों के शिक्षक ही पीएचडी शोधार्थियों के गाइड बन सकेंगे। एक बार किसी

शिक्षक के गाइड बनने के बाद वे दूसरे विश्वविद्यालय के शोधार्थियों का मार्गदर्शन नहीं कर सकेंगे, हालांकि वे सह-पर्ववेक्षक (सुपरवाइजर) की भूमिका निभा सकते हैं। गाइड का आवंटन विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी) को बैठक में कर दिया जाएगा। पीएचडी के कोर्स वर्क को 12 क्रेडिट का बनाया गया है। छात्रों को कोर्स वर्क में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही ऑनलाइन पाठ्यक्रम तथा शिक्षण-प्रशिक्षण को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। वीआरएबीयू में कोर्स वर्क की परीक्षा

तैदूनी बालिगांव सड़क पर जल जमाव की समस्या से परेशान ग्रामीण जनता

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। भोजपुर केजगदीशपुर प्रखंड के बिचला जंगल महाल पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 14 में तैदूनी-बलीगांव पथ पर भड़सरा गांव के समीप मुख्य सड़क इन दिनों तालाब में तब्दील हो गई है। सड़क पर घुटनों तक भरे जलजमाव के कारण ग्रामीणों और राहगीरों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। स्थिति इतनी भयावह है कि आप दिन मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं। स्कूली बच्चों की राह बनी कठिन-ग्रामीणों का कहना है कि जलजमाव कई दिनों से बना हुआ

वीकेएसयू ने यूजी सत्र 2026-30 की पहली मेरिट लिस्ट जारी की 63,544 छात्रों का हुआ चयन, दो गुलाई तक नामांकन करने का मौका

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) ने स्नातक सत्र 2026-30 के सेमेस्टर-1 (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) में नामांकन के लिए पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने समर्थ पोटेंल पर सूची प्रकाशित करते हुए सभी अंगीभूत, नवस्थापित अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर नामांकन प्रक्रिया पूरी कराने का निर्देश दिया है। चयनित विद्यार्थियों को उनके पंजीकृत ईमेल पर भी सूचना भेजी गई है। पहली मेरिट लिस्ट में कुल 63,544 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित विद्यार्थियों का नामांकन 2 जुलाई तक किया जाएगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। दस्तावेज सत्यापन की अंतिम समय-सीमा 2 जुलाई, शाम 4:00 बजे तक की गई है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि केवल शुल्क जमा करना पर्याप्त नहीं

सेमेस्टर आधारित स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों को अब स्नातकोत्तर में नामांकन का अवसर मिलेगा, जबकि चार वर्षीय ऑनर्स शोध ट्रेक के विद्यार्थियों को सीधे एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश का लाभ मिलेगा। विश्वविद्यालय ने सभी कॉलेजों को प्रवेश प्रक्रिया के दौरान दस्तावेज सत्यापन, आधार प्रमाणीकरण, बैंक खाते का विवरण, एबीसी आईडी और अन्य आवश्यक प्रमाणपत्र समय पर पोटल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में प्राचार्यों ने पोटल संचालन और तकनीकी समस्याओं से जुड़ी चुनौतियां भी उठाईं, जिनके समाधान के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का आवासन दिया। विश्वविद्यालय के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का आवासन है कि इस फैसले से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में बड़ी राहत मिलेगी और नामांकन को भी बढ़ावा मिलेगा।

बेलगाम ट्रेलर ने बाइक सवार दंपति को रौंदा, दोनों की मौके पर मौत

●मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने पांच घंटे तक किया सड़क जाम

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के बाल बांध गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप मंगलवार की सुबह एक तेज रफ्तार एवं बेलगाम ट्रेलर ने दवा लेने जा रहे बाइक सवार दंपति को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर भागने का प्रयास कर रहा था लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूडक जाम के कारण चरपोखरी थाना क्षेत्र के बहरी गांव निवासी 30 वर्षीय अर्जुन पाल तथा उनकी 25 वर्षीय पत्नी रानी देवी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि



दोनों बाइक से दवा लेने जा रहे थे तभी यह हादसा हो गया। घटना से गुस्साए आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर सूर्य मंदिर के समीप दोनों शवों को सड़क पर रखकर जाम कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले सड़क जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सड़क जाम की सूचना मिलते ही चरपोखरी थाना पुलिस

दरवाजे पर बैठे युवक को पड़ोसी ने चाकू मारा, अस्पताल में भर्ती

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शहर के नवादु थाना क्षेत्र के जवाहर टोला मोहल्ले में मंगलवार की देर शाम मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पड़ोसी से हुए विवाद के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक के सीने के दाहिने हिस्से में चाकू लगने

हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। कोईलवर थाना पुलिस द्वारा हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के कोईलवर बाजार से सोमवार को की। वह कोईलवर थाना क्षेत्र के महादेवचक वार्ड नंबर-10 निवासी रणविजय प्रसाद का पुत्र राकेश कुमार है। बता दें कि बीते 7 मई की रात्रि जब कोईलवर थाना क्षेत्र के महादेवचक वार्ड

नंबर-10 निवासी अखिलेश कुमार, अपने पिता बलिराम

महतो एवं चाचा अर्जुन प्रसाद के साथ बगल के स्कूल में सो रहे थे। तभी लाठी-डंडे एवं तलवार से मारकर उसके पिता बलिराम महतो को गंभीर रूप खम्भी कर दिया था। तब इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इस बाबत अखिलेश कुमार द्वारा राकेश कुमार सहित तेरह लोगों को नामजद बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उसी समय से उक्त आरोपी को फरार चल रहा था।

शराब के मामले में फरार आरोपी को सिन्हा थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार



बड़हरा। सिन्हा थाना पुलिस ने नगर थाना क्षेत्र के मारुती नगर से शराब तस्करी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने यह कर्वाई गुप्त सूचना के आधार पर किया है.थानाध्यक्ष राजु कुमार ने बताया कि सिन्हा थाना कांड संख्या 43/25, धारा 30(ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद (संशोधन) अधिनियम के नामजद आरोपी की काफी दिनों से तलाश की जा रही थी. इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने घर पर मौजूद है. सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मारुती नगर स्थित उसके आवास पर छापेमारी की और फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तार आरोपी की पहचान नगर थाना क्षेत्र के मारुती नगर निवासी अरुण कुमार गुप्ता के पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई है. थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तारी आरोपी को थाना लाकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

श्री लक्ष्मी वेंकटेश प्रतिष्ठात्मक महायज्ञ में निकली मध्य जलभरी यात्रा, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

सहार (भोजपुर) । स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के पेरहाप स्थित दिव्य तोताद्रि मठ में आयोजित श्री लक्ष्मी वेंकटेश प्रतिष्ठात्मक महायज्ञ के अंतर्गत मंगलवार को भव्य जलभरी यात्रा निकाली गई। सुबह से ही हजारों श्रद्धालु मठ परिसर में एकत्रित हुए। वैदिक मंत्रोच्चार, गाजे-बाजे और जयघोष के बीच श्रद्धालु खेरा स्थित सोन नदी के लिए रवाना हुए।श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ सोन नदी से जल भरकर कलश यात्रा के रूप में पुनः मठ परिसर में प्रवेश किया। पूरे मार्ग में भक्ति, उत्साह और धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा जिस अवसर पर श्रीवैष्णव संप्रदाय के

विश्वविख्यात एवं परम पूज्य 31वें पीठाधिपति श्री मधुरकवि वानमामलै रामानुज जीयर स्वामी महाराज (श्री तोताद्रि मठ, नांगुनेरी, तमिलनाडु) स्वयं जलभरी यात्रा में शामिल हुए। उनकी पावन उपस्थिति से आयोजन की भव्यता और आध्यात्मिक गरिमा और बढ़ गई। श्रद्धालुओं ने उनके दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को सीमाग्यशाली बताया।दिव्य देश तोताद्रि मठ, पेरहाप के मठाधीश श्री विष्णुचिन्ताचार्य जी महाराज ने बताया कि श्री लक्ष्मी वेंकटेश प्रतिष्ठात्मक महायज्ञ के उद्देश्य वैदिक परंपराओं का संरक्षण, सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार तथा समाज

में आध्यात्मिक चेतना का जागरण करना है। उन्होंने कहा कि परम पूज्य श्री मधुरकवि वानमामलै रामानुज जीयर स्वामी महाराज का पेरहाप स्वयं जलभरी यात्रा में शामिल हुए।

उनकी पावन उपस्थिति से आयोजन की भव्यता और आध्यात्मिक गरिमा और बढ़ गई। श्रद्धालुओं ने उनके दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को सीमाग्यशाली बताया।दिव्य देश तोताद्रि मठ, पेरहाप के मठाधीश श्री विष्णुचिन्ताचार्य जी महाराज ने बताया कि श्री लक्ष्मी वेंकटेश प्रतिष्ठात्मक महायज्ञ के उद्देश्य वैदिक परंपराओं का संरक्षण, सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार तथा समाज

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। प्रेरणा फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित युवा संवाद 4.0 कार्यक्रम शहर में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थान के प्रसिद्ध प्रेक कुमार सिंह से बात की गई, तो उन्होंने बजट की कमी का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि वहां जलजमाव की समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए एक लंबे नाले का निर्माण आवश्यक है। पंचायत के पास इतना बड़ा बजट उपलब्ध नहीं है कि इतने बड़े नाले का निर्माण कराया जा सके। वर्तमान में जलजमाव वाली जगह के बगल में नाला बना हुआ है। यदि सरकार की ओर से विशेष बजट आवंटित किया जाता है, तो ही वहां बड़े नाले का निर्माण संभव हो पाएगा।



जुड़े विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे, जिनका डॉ. राजपुरोहित ने विस्तार से उत्तर देते हुए उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम संयोजक भुवन कुमार पांडेय ने बताया कि हार्दुवा संवादद्ध को अब प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाएगा, ताकि युवाओं को सही दिशा, सकारात्मक सोच और बेहतर मार्गदर्शन मिल सके।इस अवसर पर हड़्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमार जितेंद्र, धैर्य और आत्मविश्वास के बल पर ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता डॉ. गणपत राजपुरोहित, जिला परियोजना पदाधिकारी एवं सहाित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन ऐशाना राज ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन दीपू मिश्रा ने किया। आयोजन को सफल बनाने में नीतीश कुमार, निशांत कुमार, रूपाली कुमारी, मुस्कान सिंह, खुशी सिंह, खुशी श्रीवास्तव, जितेश कुमार, अलोक सिंह, बिबू कुमार, आयुष सिंह, अंजलि तिवारी, श्वेता राय, अनंशुषा पाठक, बिट्टू पांडेय, जय सिंह, सबदन पांडेय, रोशनी, लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने करियर, व्यक्तित्व विकास और जीवन से

सेवानिवृत्ति के अवसर पर कार्यवाहक कुलपति ने शिक्षक एवं प्राचार्य को सौंपा पीपीओ

प्रातः किरण संवाददाता
बोधगया।आज मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कार्यवाहक कुलपति प्रो. (डॉ.) दिलीप कुमार केशरी ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय अंतर्गत भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार वर्मा तथा जगजीवन कॉलेज, गया के प्राचार्य डॉ. सत्येन्द्र कुमार प्रजापति को उनके सेवानिवृत्ति के अवसर पर पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) प्रदान कर सम्मानित किया है। इस अवसर पर उन्होंने दोनों शिक्षाविदों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की है।

कार्यवाहक कुलपति प्रो. केशरी ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान उसके शिक्षकों और शिक्षाविदों के योगदान से बनती है। प्रो. विजय कुमार वर्मा एवं डॉ.



सत्येन्द्र कुमार प्रजापति ने अपने लंबे सेवकाल में शिक्षा, अनुशासन, प्रशासनिक दक्षता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनके अनुभव और योगदान विश्वविद्यालय परिवार के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

कुलपति ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल शासकीय सेवा का समापन है,

सामाजिक और शैक्षणिक दायित्वों का नहीं। ऐसे अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन भविष्य में भी विश्वविद्यालय और समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने दोनों सेवानिवृत्त शिक्षाविदों के उज्ज्वल भविष्य तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बिनोद कुमार मंगलम ने कहा

गया स्किल्स सेंटर के 64 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र, प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ चयन

प्रातः किरण संवाददाता

गया। गया कॉलेज, गयाजी स्थित गया स्किल्स सेंटर के 55 दिवसीय सर्टिफिकेशन कोर्स के सफल समापन के बाद 64 प्रशिक्षित युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में कैंपस प्लेसेमेंट के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं।

चयनित अभ्यर्थियों को टाटा मोटर्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, सुजुकी मोटर्स, इंडो एमआईएम तथा फ्यूजन माइक्रोफ़ाइनैन्स जैसी नामी कंपनियों में रोजगार का अवसर मिला है। चयनित युवाओं को 2.15 लाख से 2.80 लाख प्रति वर्ष तक का आकर्षक वार्षिक वेतन पैकेज प्रदान किया गया है। इसके साथ ही कंपनियों द्वारा रहने एवं भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।यह उपलब्धि



रलैड भारत फाउंडेशन की उस मुहिम का महत्वपूर्ण परिणाम है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें सम्मानजनक रोजगार से जोड़ना है। फाउंडेशन के प्रयासों से इस बैच के 64 युवाओं को सफलतापूर्वक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए, जिससे उनके आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। यह पहल क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। गया स्किल्स

सेंटर द्वारा संचालित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को व्यावहारिक कौशल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। संस्थान के पदाधिकारियों ने चयनित सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है और भविष्य में भी ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

प्रो. विजय कुमार वर्मा की सेवानिवृत्ति पर स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग में विदाई समारोह आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार वर्मा की सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू प्रो. पी. के. चौधरी, विज्ञान संकाय के डीन प्रो. एस. एन. पी. यादव, कुलसचिव प्रो. बी. के. मंगलम, प्रांत्तर प्रो. के. डी. पी वर्मा, वित्त पदाधिकारी श्री आई. के. सिंह, स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग के नवनियुक्त विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के



विभिन्न पदाधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, शोधार्थी, छात्र-छात्राएं तथा प्रो. विजय कुमार वर्मा के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे हैं।समारोह को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी एवं अन्य पदाधिकारियों

ने प्रो. विजय कुमार वर्मा के दीर्घ, स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। उन्होंने विश्वविद्यालय एवं विशेष रूप से स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विकास में प्रो. वर्मा के उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सेवाएं सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगी।इस

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं ने प्रो. विजय कुमार वर्मा के व्यक्तित्व, सरल स्वभाव, कुशल नेतृत्व एवं विभाग के विकास में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। सभी वक्ताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं समृद्धिपूर्ण जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं तथा विश्वास जताया कि सेवानिवृत्ति के उपरांत भी विश्वविद्यालय उनके अनुभव, मार्गदर्शन एवं विद्वत्ता से निरंतर लाभान्वित होता रहेगा।इस समारोह का वातावरण आत्मीयता, सम्मान और भावनात्मक स्मृतियों से आतप्रोत रहा। अंत में सभी उपस्थितजनों ने प्रो. विजय कुमार वर्मा के उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी है।

कबीर के विचार आज के युग में प्रासंगिक

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के सत्येंद्र नगर स्थित अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के आवास पर भारत के महान कवि, संत शिरोमणि कबीर दास जी का जयंती समारोह जिला हिंदी साहित्य समेलन औरंगाबाद के तत्वावधान में धूमधाम से मनाया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जयंती समारोह का संचालन उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में समकालीन जवाबदेही

पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा की गरिमाई उपस्थिति र-ही। उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम कबीर दास जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया और प्रज्वलन के साथ विचार गोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संघोषित कबीर वर्तमान युग के प्रासंगिक विषयक विचार गोष्ठी पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए।विषय प्रवेश संयुक्त महामंत्री नगेंद्र प्रसाद केसरी ने कहा कि महामंत्री धर्मजय जयपुरी ने कहा कि कबीर दास की रचनाओं में उपदेश की प्रधानता है। लवकुश प्रसाद सिंह ने काव्यात्मक ढंग से उनके जीवनी

साहित्य की चर्चा की। पर्यावरणविद् डॉ रामाधार सिंह ने कबीर दास को भक्ति काल का श्रेष्ठ कवि बताया।सत्यचंडी धाम महोत्सव के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह ने कबीर दास को एक कोटि का संत बताया। डॉ ओम प्रकाश पांडेय ने कबीर को सार्वकालिक एवं स-वर्देशिक कवि की संज्ञा दी।वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ हनुमान राम ने कहा कि कबीर के विचार वर्तमान समय में पूर्णतः प्रासंगिक है। डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि सामाजिक समस्याओं सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं को अगर समझना है तो कबीर के जीवन दर्शन को अपनाना होगा।

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।वजीरगंज प्रखंड के तरवां पंचायत अंतर्गत भलुआही टोला, वार्ड संख्या 6 में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी नाली निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी और आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पंचायत के मुखिया एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण पत्रों से यह बुनियादी समस्या अनसुलझी बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि नाली के अभाव में चरों के सामने गंदा पानी

78 साल बाद भी विकास की राह देख रहा भलुआही टोला, बुनियादी सुविधा अभाव से आक्रोश



जमा रहता है, जिससे आवागमन बाधित होता है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी बुरावह हो जाती है। जलजमाव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं

गया में बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस को दुर्घटनाग्रस्त करने की साजिश नाकाम, लोको पायलट की सतर्कता से टला बड़ा हादसा आरपीएफ को साजिशकर्ताओं की तलाश

प्रातः किरण संवाददाता

गया। पूर्व मध्य रेल के डीडीयू रेल मंडल में एक बड़ी रेल दुर्घटना की साजिश समय रहते विफल हो गई। वाराणसी से राजगीर जा रही बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस को दुर्घटनाग्रस्त करने के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक पर अवरोध रखे जाने का मामला सामने आया है। हालांकि, लोको पायलट की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और संबंधित एजेंसियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है तथा साजिशकर्ताओं की तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग पर चल रही थी। इसी दौरान लोको पायलट की नजर रेलवे ट्रैक पर रखे संदिग्ध अवरोध पर पड़ी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तत्काल आवश्यक कदम



उठाए, जिससे ट्रेन सुरक्षित रही और यात्रियों की जान बच गई। यदि समय रहते यह अवरोध नहीं दिखता, तो एक बड़ा रेल हादसा हो सकता था।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों, आरपीएफ और अन्य संबंधित विभागों की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और ट्रैक पर मिले अवरोध के संबंध में साक्ष्य जुटाए गए। रेलवे इस पूरे मामले को सुनियोजित साजिश के रूप में देखते हुए विभिन्न पहलुओं से

जांच कर रहा है।

आरपीएफ ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। इसके अलावा स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी की अध्यक्ष सीमा भदानी को वर्ष 2025–26 के लिए बेस्ट प्रेसिडेंट और आउटस्टैंडिंग क्लब के अवार्ड के लिए चुना गया

■ **इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी की 2026–27 की नई अध्यक्ष रिमता भदानी को एजेक्युटिव अवार्ड से नवाजा गया जो 1 जुलाई से कार्यभार सम्भालेंगी**
प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट325 के अंतर्गत बिहार झारखंड में कुल 96 क्लब कार्यरत हैं जिसमें 6000 सदस्याएँ जुड़ी हैं जिसकी 42वीं वार्षिक अवाई एसेम्बली इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा रॉंची और इनर व्हील क्लब ऑफ पटना के संयुक्त तत्वावधान में रांची के बी एन आर होटल चाणक्य में 27-28जून 2026 को सम्पन्न हुआ है ।

इसमें इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी की अध्यक्ष सीमा भदानी को वर्ष 2025-26 के लिए बेस्ट



प्रेसिडेंट और आउटस्टैंडिंग क्लब का अवार्ड के लिए चुना गया है।सी जी आर शिखा रानी को बेस्ट सी जी आर का अवार्ड दिया गया है, इसके साथ ही सेक्रेटरी मन्दाकिनी जी को बेस्ट सेक्रेटरी अवार्ड से नवाजा गया ,कोषाध्यक्ष कंचन कुमार को बेस्ट कोषाध्यक्ष अवाई से सम्मानित किया गया , आई एस ओ प्रीति कुमारी को आउटस्टैंडिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया है। ओवरआल परफॉर्मेंस के आधार पर अध्यक्ष सीमा भदानी

को प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया गया है।इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी की 2026-27 की नई अध्यक्ष रिमता भदानी को एजेक्युटिव अवार्ड से नवाजा गया जो 1 जुलाई से कार्यभार सम्भालेगी ।

अवाई वितरण समारोह में क्लब की पी पी चंद्रलेखा प्रसाद, शोभा कंधवे, सदस्य शीतल प्रसाद आदि शामिल हुई हैं।अवाई वितरण डिस्ट्रिक्ट चैयरमैन रश्मि गुप्ता द्वारा किया गया है।नव निर्वाचित डिस्ट्रिक्ट

जिला 325 के वार्षिक सम्मेलन में इनर व्हील क्लब ऑफ गया बना सत्र 2025-26 का सर्वश्रेष्ठ क्लब

गया जी।डिस्ट्रिक्ट चैयरमैन रश्मि गुप्ताजी के नेतृत्व में आयोजित डिस्ट्रिक्ट 325 के वार्षिक सम्मेलन में इनर व्हील क्लब ऑफ गया ने सत्र 2025-26 का सर्वश्रेष्ठ क्लब का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर क्लब का गौरव जिले में बढ़ाया है। यह भव्य सम्मेलन बीएनआर चाणक्य, रांची में आयोजित किया गया, जिसमें डिस्ट्रिक्ट 325 के सभी क्लबों के प्रतिनिधि एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे हैं।क्लब को वर्षभर किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों, प्रभावशाली परियोजनाओं तथा अनुकरणीय प्रशासनिक कार्यों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है। डिस्ट्रिक्ट चैयरमैन रश्मि गुप्ता ने क्लब के पदाधिकारियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया है। सम्मान प्राप्त करने वाले पदाधिकारी इस प्रकार हैं। बेस्ट प्रेसिडेंट झू ढरार दुर्वा सहाय, बेस्ट सेक्रेटरी झू डॉ. मंजू सिन्हा, बेस्ट ट्रेजररझू पीपी सीमा भदानी, बेस्ट कइ झू पीपी प्रतिभा गुप्ता, बेस्ट एडिटर झू शीतल गुप्ता इसके अतिरिक्त क्लब को बेस्ट प्रोजेक्ट्स, स्पेशल प्रोजेक्ट्स तथा बेस्ट फाइल कीपिंग के लिए भी सम्मानित किया गया है।नए सत्र में आभा सिंह क्लब की अध्यक्षा के रूप में क्लब की बागडोर संभालेंगी।विजेता पदाधिकारियों के अतिरिक्त इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की साक्षी बनीं पीडीसी गीता अग्रवाल, आइपीपी तृप्ति गुप्ता, राखी भदानी, मनिषा भदानी।प्रियाका कुमार एए सत्र में डिस्ट्रिक्ट 325 की अध्यक्षा मनोनीत हुई है।यह उपलब्धि क्लब के सभी सदस्यों की टीम भावना, समर्पण एवं वर्षभर किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों का परिणाम है। यह सूचना क्लब एडिटर *शीतल गुप्ता द्वारा दी गई।

श्री लक्ष्मी नारायण व शिव परिवार की स्थापना के पर माहौल हुआ भक्तिमय

ओबरा (औरंगाबाद)। मुख्यालय के स्वर्गीय मोतीलाल जयसवाल के ठाकुरबाड़ी पर जलभरी के दूसरे दिन वेदी पूजन एवम नगर भ्रमण के मौके पर माहौल भक्तिमय हो गया है। नगर भ्रमण में भगवान शिव एवम लक्ष्मी नारायण की जयकारी से ओबरा गुंज उठा। भगवान नारायण एवम शिव परिवार की प्रतिमा को नगर भ्रमण करारक स्थापित की गई। इस मौके पर भारी संख्या मे महिलाओं ने भक्ति गीत संगीत गाकर माहौल को भक्तिमय कर दिया। भगवान की झांकी की भी प्रस्तुति दी गई। सुबह से श्रद्धालु वेदी पूजन से बैठकर भगवान की आराधना की। अष्टजाम एवम कीर्तन का आयोजन किया गया है। शाम से ही मंदिर पर कलाकारों के द्वारा भक्ति गीत संगीत का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर गोबिंद अग्रवाल, आयोजक अनिल जयसवाल, विनय जायसवाल, उदय जायसवाल, सुबोध जायसवाल, पप्पू अग्रवाल, बिनोद कुमार, अशोक अग्रवाल समेत भारी संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

आद्रा नक्षत्र पर सोरखा बाबा मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की मीड़

औरंगाबाद। जिले के नवीनगर प्रखंड स्थित प्रसिद्ध सोखा बाबा मंदिर में आद्रा नक्षत्र के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही महिला एवं पुरुष श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े रहे।

शब्दवीणा की साहित्यिक भेंटवार्ता सत्यम शिवम सुंदरम में डॉ. सुनीता सैनी के मनभावन लोकगीत सुन आनंदित हुए श्रोता

■ **समाज में समरसता एवं सोहार्द बनाए रखने में साहित्य की भूमिका पर हुई बातचीत**

■ **डूक अठन्नी ही दे दे मोरी माँ, मैं पानी पूरी खाऊँगी**

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी (बिहार)-राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा की साहित्यिक भेंटवार्ता सत्यम शिवम सुंदरम में शब्दवीणा की कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष लोकगीतकार डॉ सुनीता सैनी गुड्डी ने अपने साहित्यिक अनुभव एवं विचार साझा किये, सुमधुर गुनए सुनाए। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ सैनी ने स्वरचित सरस्वती वंदना माँ मुझको भी दे दो



ज्ञान की सुमधुर प्रस्तुति से किया। वातावरं व शब्दवीणा की जमशेदपुर जिला अध्यक्ष कवयित्री पूनम शर्मा स्नेहिल ने डॉ सैनी का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय देते हुए उनसे उनकी पसंदीदा लेखन शैली, रुचिपद लेखन विधा, एवं लोकगीतों के लिए उनके द्वारा चयनित प्रमुख विषयों पर अनेक रोचक प्रश्न पूछे। कार्यक्रम

का संयोजन एवं समन्वयन शब्दवीणा की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने किया। उन्होंने डॉ. सैनी, श स्नेहिल एवं सभी दर्शकों व श्रोताओं का कार्यक्रम में हार्दिक स्वागत किया है।भेंटवार्ता में स्नेहिल के प्रश्नों का उत्तर देती हुई सुनीता सैनी ने कहा कि रचनाकारों को भीड़ का हिस्सा न बनकर कुछ न कुछ नया लिखते रहना

चाहिए। कुछ भी लिखने के पहले उसकी लोकोपयोगिता पर विचार-मंथन अवश्य ही कर लेना चाहिए। समाज में समरसता एवं सोहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में साहित्य की अहम भूमिका पर बातचीत हुई। डॉ. सैनी ने इक अठन्नी ही दे दे मोरी माँ, मैं पानी पूरी खाऊँगी एवं चोरी हो गया मेरी फोन जैसे मनभावन लोकगीत सुनाए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शब्दवीणा केन्द्रीय पेज से किया गया, जिससे जुड़कर महावीर सिंह वीर, पुरुषोत्तम तिवारी, सुरेश विद्यार्थी, राम नाथ बेखबर, विजयेन्द्र सैनी, सरोज कुमार, बबन बडिया, जैनेन्द्र कुमार मालवीय, डॉ विजय शंकर, दीपक कुमार, प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, अनिल कुमार, प्यारचन्द कुमार मोहन, डॉ रवि प्रकाश, संतोष

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के जसोईया स्थित महाराणा प्रताप एवं भामाशाह प्रतिमा स्थल पर दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई गई। ओबरा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र ने कहा कि दानवीर भामाशाह केवल एक उदार दानी ही नहीं, बल्कि महान राष्ट्रभक्त भी थे। उन्होंने मातृभूमि और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपनी पूरी संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित कर दी। उनका त्याग, समर्पण और राष्ट्रप्रेम आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। विधायक ने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध के बाद जब महाराणा प्रताप आर्थिक संकट से जूझ रहे थे, तब भामाशाह ने अपना सर्वस्व



अर्पित कर उनके संघर्ष को नई ऊर्जा दी। उसी सहयोग से महाराणा प्रताप ने अपनी सेना का पुनर्गठन किया और मुगलों के विरुद्ध संघर्ष को आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों का योगदान इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगा और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ.

प्रकाश चंद्र ने महाराणा प्रताप सेवा संस्थान की अपनी विधायक निधि से नहीं, बल्कि व्यक्तितगत स्तर पर 1 लाख 1 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही उन्होंने महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थल पर स्थापित की जाने वाली तस्वीर के निर्माण का पूरा खर्च स्वयं वहन करने की घोषणा भी की। नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता ने कहा कि

भामाशाह का जीवन त्याग, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है और जब देश सुरक्षित रहेगा, तभी समाज और हमारा व्यक्तितगत जीवन भी सुरक्षित रहेगा।

कार्यक्रम में ओबरा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र, नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मुकेश लाल गुप्ता, महाराणा प्रताप सेवा संस्थान के अध्यक्ष ब्रजनाथ सिंह, कन्हैया लाल जैन, भाजपा नेता रविंद्र सिंह, सूर्यवंत सिंह, हरिहर प्रसाद सिंह, महावीर जैन, अजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने भामाशाह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रावणी मेला-2026 को भव्य बनाने की तैयारी, सुल्तानगंज पहुंचे डीएम-एसएसपी; सुरक्षा से लेकर ड्रोन शो तक का खाका तैयार

प्रातः किरण संवाददाता

विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला-2026 को पहले से अधिक भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने सुल्तानगंज के न्माभि गंगे घाट, बाबा अजगैबीनाथ मंदिर, कृष्णगढ़ नियंत्रण कक्ष और अन्य प्रमुख स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कृष्णगढ़ नियंत्रण कक्ष के पास जर्मन हेंगर स्थापित करने, बाबा चौक फोरलेन के निकट पार्किंग, पर्याप्त रोशनी और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करने के निर्देश दिए। नगर परिषद को सफाई, नालों की उड़ाही और



जल निकासी दुरुस्त रखने, जबकि बिजली विभाग को बिजली के तारों की मरम्मत और उन्हें सुरक्षित ऊंचाई पर करने का आदेश दिया गया।

मीडिया से बातचीत में डीएम ने बताया कि इस बार श्रावणी मेला श्रद्धालुओं के लिए आस्था के साथ आकर्षण का भी केंद्र बनेगा। पर्यटन विभाग के सहयोग से लेजर शो, ड्रोन शो और सांस्कृतिक संस्थओं का आयोजन होगा। पूरे सुल्तानगंज शहर को भगवान शिव की थीम पर

सजाया जाएगा, वहीं देशभर के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। एसएसपी प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व बनाया जाएगा। नमाभि गंगे घाट समेत सभी संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रहेगी। 9 से 12 अस्थायी थानों की स्थापना, माउंटेड पुलिस, चोरबाइक पेट्रोलिंग और पैदल गश्ती की व्यवस्था की जाएगी। पिछले वर्ष की तुलना में करीब 50 प्रतिशत अधिक पुलिस बल तैनात



करने की योजना है। प्रशासन का लक्ष्य है कि लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और यादगार श्रावणी मेला का अनुभव मिले। निरीक्षण के दौरान सुल्तानगंज विधायक ललित नारायण मंडल, अपर समाहर्ता (राजस्व) दिनेश राम, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) कुंदन कुमार, अपर समाहर्ता धीरेन्द्र कुमार मिश्रा, अपर समाहर्ता (विधिव्यवस्था) राकेश रंजन, जिला गोपनीय शाखा प्रभारी सुधीर कुमार,

जिला योजना पदाधिकारी मोनु कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी अंकित रंजन, निदेशक डीआरडीए दुर्गा शंकर, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिनव आनंद, नगर प्रबंधक रविश कुमार वर्मा, प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव कुमार सुल्तानगंज एवं अंचलाधिकारी सुल्तानगंज थाना अध्यक्ष धनंजय कुमार कहलगांव थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी थे।

कठना में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ, ज्योति कलश रथ यात्रा के स्वागत से भक्तिमय हुआ माहौल

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज, हरिद्वार से आई ज्योति कलश रथ यात्रा के तृतीय दिवस मंगलवार को हवेली खड़गपुर प्रखंड के कठना गांव स्थित शिवालय परिसर में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ, पूजन एवं विभिन्न संस्कारों में सहभागिता निभाई। महायज्ञ से पूर्व रमणकाबाद में अवकाश प्राप्त शिक्षक महावीर भगत के नेतृत्व में ज्योति कलश रथ यात्रा का श्रद्धापूर्वक स्वागत, पूजन एवं आरती की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गायत्री का सविता स्वरूप शुभ ज्योति पुंज है, जिसकी पावन प्रकाश से समस्त देवशक्तियों का उद्भव हुआ है। ज्ञान, विज्ञान, कला और सृजन की मूल प्रेरणा गायत्री ही है। शांतिकुंज के प्रतिनिधि डॉ. अरुण कुमार ने पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का



वैदिक विधि-विधान से संचालन करते हुए कहा कि भारतीय ऋषियों द्वारा स्थापित संस्कार परंपरा मनुष्य के व्यक्तित्व को विकसित, परिष्कृत और उत्कृष्ट बनाती है। शरीर, मन और आत्मा के उत्थान के लिए संस्कार अत्यंत आवश्यक हैं। सुसंस्कृत व्यक्ति, श्रेष्ठ परिवार, सभ्य समाज और समर्थ राष्ट्र का निर्माण संस्कारों के माध्यम से ही संभव है।

कार्यक्रम के दौरान पंकज कुमार एवं विकास कुमार ने प्रेरणादायी भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर पुष्पन संस्कार, विद्यारंभ संस्कार, देव स्थापना, यज्ञोपवीत संस्कार सहित कई वैदिक संस्कार भी संपन्न कराए गए। कार्यक्रम में महेश पोद्दार, अमित कुमार, ओमप्रकाश भगत, शशि शंखर, शिवचंद्र भगत, अवकाश प्राप्त सिविल सर्जन डॉ. पंचानंद, दिलीप पटेल, अजय कुमार, जुगनु कुमार, नितेश कुमार, राजेश कुमार, आयुषी कुमारी, मीरा देवी, नीलू शर्मा, शांति देवी, माला देवी, प्रतिभा भारती सहित सैकड़ों गायत्री परिवार के सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महंगाई को लेकर युवा राजद का डबल इंजन सरकार पर हमला, मुकेश यादव बोले जनता त्राहिमाम, सरकार पूंजीपतियों में मस्त

■ आलू-प्याज-टमाटर व एलपीजी की कीमतों से निगड़ा बजट, युवा राजद ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। युवा राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव सह मुंगेर विधानसभा के पूर्व राजद प्रत्याशी मुकेश यादव ने केन्द्र व बिहार की डबल इंजन एनडीए सरकार पर महंगाई को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियों से जनता कमरतोड़ महंगाई की मार झेल रही है। प्रेस विज्ञापि जारी कर मुकेश यादव ने कहा कि टमाटर, प्याज, आलू, दाल, आटा, खाद्य तेल और एलपीजी गैस की आसमान छूती कीमतों ने मध्यम

व गरीब वर्ग का बजट बिगाड़ दिया है। पेट्रोल-डीजल के दाम पहले से ही बोझ बने हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश का आम नागरिक एनडीए संपोषित जमाखोरी, कालाबाजारी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के दुष्चक्र में फंस चुका है। युवा राजद नेता ने कहा, यह सरकार जनता के असल बहुमत से नहीं, बल्कि बोट चोरी से बनी है। इसीलिए इसकी नीतियां पूंजीपरस्त और जनविरोधी हैं।

एक तरफ जनता दाने-दाने को मोहताना है, वहीं एनडीए नेता सरकारी संसाधनों की लूट और चंदा चोरी में व्यस्त हैं। राजद ने मांग की कि सरकार पूंजीपरस्त नीतियां बदले, जमाखोरों पर सख्त कार्यवाई करे और खाने-पीने की चीजों व ईंधन के दाम तुरंत कम करे। अन्यथा राजद सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

मिल्की हनुमान मंदिर में 251 कलशधारियों के साथ निकली भव्य कलश शोभायात्रा, नए बजरंगबली की प्रतिमा स्थापना आज

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर/ टेटिया बंबर (मुंगेर)। बनहरा पंचायत के मिल्की हनुमान मंदिर में मंगलवार को नए बजरंगबली की प्रतिमा स्थापना एवं अखंड रामधनु के शुभारंभ के अवसर पर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। धार्मिक आस्था से ओत-प्रोत इस आयोजन में 251 कलशधारी महिलाओं एवं देव कन्याओं ने भाग लिया।

शोभायात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर मिल्की स्थित रंगनाथ धाम मंदिर पहाड़ी के समीप ऐतिहासिक कुएं तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलशों में जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालु गांव एवं आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए पुनः हनुमान मंदिर पहुंचे। यात्रा के दौरान नए बजरंगबली



की प्रतिमा का भी पूरे गांव में भ्रमण कराया गया। बैंड-बाजा, शहनाई, ढोल-नगाड़ों और भक्ति संगीत की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु हूजय श्री रामह और हूजय बजरंगबलीह के जयघोष लगाते रहे। भगवा ध्वजों से सजा पूरा क्षेत्र भक्तिमह वातावरण में सराबोर रहा। इस धार्मिक आयोजन में मिल्की निवासी अखिलेश कुमार सिंह का विशेष सहयोग रहा। उनके

सहयोग से नए बजरंगबली की प्रतिमा की स्थापना एवं अखंड रामधनु का आयोजन कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पूरे गांव के लोगों के साप्ताहिक सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया जा रहा है। शोभायात्रा में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। बड़ी संख्या में बुजुर्ग, युवा और बच्चे भी भगवा ध्वज लेकर शामिल हुए और पूरे

मार्ग में भक्ति गीतों पर झूमते हुए धार्मिक उत्साह का परिचय दिया।

मंदिर समिति के अनुसार, वैदिक विधि-विधान के साथ प्रतिमा स्थापना, पूजा-अर्चना एवं अखंड रामधनु का कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। इस आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है तथा दूर-दराज से भी श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं।

मुंगेर में कन्या जन्मोत्सव सह सम्मान समारोह आयोजित, डीएम निखिल धनराज ने किया उद्घाटन



■ उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पदाधिकारियों व धात्री माताओं का हुआ सम्मान, बेटियों को समान अपसर देने का आह्वान

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। महिला एवं बाल विकास निगम, मुंगेर द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत स्थानीय प्रेक्षा गृह में कन्या जन्मोत्सव सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी निखिल धनराज निष्पाणीकर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में डीएम ने कहा कि बेटियां समाज की अमूल्य धरोहर हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान सिर्फ

सरकारी योजना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने का जनआंदोलन है।

उन्होंने बेटियों के जन्म, शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित करने को हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। डीएम ने अधिकारियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक शत-प्रतिशत पहुंचाने का निर्देश दिया। समारोह में जिले-प्रखंड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला पदाधिकारियों को अंगवस्त्र, मोमेटो व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। धात्री महिलाओं का भी सम्मान हुआ।

नवजात कन्याओं की माताओं को स्तनपान, संतुलित पोषण व नियमित

स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर उप विभागीय आयुक्त अशोक सिंह, डीपीओ आईसीडीएस गुजन मौली, सीडीपीओ प्रिबद्धर्शन सहित जिले के सभी प्रखंड के सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिका अलका सिंह, गौरी राई, प्रिया आनंद, जिले के सभी महिला पर्यवेक्षक का तथा प्रखंड समन्वयक, विजेता कुमारी, सरिता कुमारी, अंचल अधिकारी सदर मुंगेर अंजलि तथा आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, कुपोषण उन्मूलन व बाल विवाह नहीं करने की शपथ ली।

श्रीमतपुर में पैक्स अध्यक्षों की बैठक के साथ शुरु हुआ सहकारिता सप्ताह, बीसीओ विद्यासागर ने दी जानकारी



■ 30 जून को जागरूकता कैंप, 5 जुलाई को मंथन फिल्म स्क्रीनिंग, 6 जुलाई को विशेष आमसभा

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। सदर मुंगेर में 29 जून से 6 जुलाई तक चल रहे सहकारिता सप्ताह-2026 के तहत 30 जून को सदर प्रखंड के प्रांगण में सभी पैक्स अध्यक्षों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी विद्यासागर ने की। उन्होंने उपस्थित अध्यक्षों व सदस्यों को सहकारिता विषय के उद्देश्यों व कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत हूसहकार से समृद्धि थीम पर आयोजित सप्ताह में 30 जून

को प्रखंड स्तर पर जागरूकता कैंप लगाया गया। इसमें समितियों की प्रबंधकारिणी को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया व पैक्स में रोपण कार्य हुआ। 2 जुलाई को सहकारी समितियों में जागरूकता सेमिनार, 5 जुलाई को पैक्स स्तर पर ह्रमथन फिल्म की स्क्रीनिंग व सोशल मीडिया प्रोग्राम और 6 जुलाई को विशेष आमसभा होगी, जिसमें ऑडिट रिपोर्ट व लाभार्श वितरण किया जाएगा। बैठक में पैक्स अध्यक्ष शाहिद मुन्ना, मोहम्मद पिकू, सुमित कुमार, सुधांशु सिंह, भारत भूषण चौधरी, रंजीत राय सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। सहकार से समृद्धि - सहकार से विकास - सहकार से आत्मनिर्भर भारत के नारे के साथ पूरे सप्ताह कार्यक्रम चलेंगे।

मुंगेर में राजद के 30वें स्थापना दिवस की तैयारी बैठक, 5 को मंगल मूर्ति पैलेस में होगा समारोह

► जिलाध्यक्ष संजय बिंद की अध्यक्षता में बनी रणनीति, प्रदेश महासचिव प्रमोद यादव रहे मौजूद

मुंगेर। सोमवार को आजाद चौक स्थित मुंगेर जिला राजद कार्यालय में राष्ट्रीय जनता दल के 30वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजय कुमार बिंद ने की व मंच संचालन जिला प्रधान महासचिव आकाशदीप यादव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 05/जुलाई/2026 को स्थापना दिवस समारोह सोझी घाट के नजदीक मंगल मूर्ति पैलेस के सभागार में मनाया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य व सफल बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश महासचिव प्रमोद यादव, पूर्व विस प्रत्याशी अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव, जिला उपाध्यक्ष हसीबूर रहमान, महानगर अध्यक्ष जुनैद मखमूर, पूर्व डिप्टी मेयर सुनील राय, जिला कोषाध्यक्ष नागेश्वर यादव, जिला प्रवक्ता सौरव जयसवाल, सदर प्रखंड अध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रखंड अध्यक्ष कौशल फैजाज, नगर अध्यक्ष बमबम यादव प्रकाश चंद्र आदि थे।

पुलिस लाइन डे पर एसपी ने सुनी पुलिसकर्मियों की समस्याएं



अरवल पुलिस केंद्र अरवल में लाइन डेह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ने इस मौके पर अनुरोध कक्ष का संचालन कर पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों की समस्याएं, शिकायतें और मांगें सुनीं। पुलिस अधीक्षक ने सभी समस्याओं के त्वरित, निष्पक्ष व प्रभावी समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की समस्याओं का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इससे बाद पुलिस अधीक्षक ने पुलिस केंद्र की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक कार्यों, अभिलेखों के संधारण और लंबित मामलों की समीक्षा की गई। शाखा प्रभारियों को कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता व गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। और सभी पुलिसकर्मियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठ और जनसेवा की भावना के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने पुलिस केंद्र की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, उत्तरदायी व जनहितैषी बनाने पर जोर दिया।

फिरे से आंदोलन तेज करने की दी गई चेतावनी: मनोज यादव

अरवल। जिला मुख्यालय स्थित डॉक्टर बी आर अंबेडकर बचनालय में रेलवे संघर्ष समिति बिहटा अरवल औरंगाबाद के मुख्य संयोजक मनोज सिंह यादव की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक किया गया। रेलवे विभाग द्वारा 30 जून 2026 तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया कर लेने की बात कही गई थी लेकिन बिहार सरकार द्वारा अभी तक रेलवे लाइन के सीमांकन तक नहीं किया गया।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना सं. डी.एन.आर./एस.एण्ड.टी.व्ही./2026/4 भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी और से मंडल रेल प्रबंधन (सिग्नल एवं दूर संचार) एवं मध्य रेलवे, दानापुर मंडल, निर्माणाधीन कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं:- (1) कार्य का नाम एवं स्थान: दानापुर डिवाजन के अंतर्गत पटना जंक्शन पर पीएफ नंबर 01 से 10 और सड़कलेंग एरिया में ओटी अनाउसमेंट पीए सिस्टम के साथ आईपीआईएस की व्यवस्था तथा एलवडी पैनेल आधारित ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड (टीआईबी) के साथ सीसीटीवी सिस्टम की व्यवस्था संबंधी कार्य। (2) अनुमानित लागत: रुपये 81673967.87 (3) ब्याना राशि: रुपये 1633500.00 (4) निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय: कार्य की तिथि 23.07.2026 को 15.00 बजे तक। (5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय: दिनांक 23.07.2026 को 15.00 बजे। (6) वेबसाइट: www.irops.gov.in (7) कार्यालय का पता जहाँ से निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है: वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर नोट: निविदा की स्थिति में अंशेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरूरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साईट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।

मो संघ एवं दूर संघ अभियंता एवं मध्य रेल/दानापुर

पैआर/0480/डीएनआर/एस एंड टी/टी/26-27/32

जल संसाधन विभाग कार्यदासक अभियन्ता का कार्यालय सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल खगौल			
email:- eesfpdkhagaul@gmail.com, Mob- 7463889543 अतिअल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या (NIQ)-03/2026-27			
बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण अंचल, पटना के अधीन विभिन्न प्रमंडलीय कार्यालय अन्तर्गत बाढ़ अवधि 2026 में कटाव निरोधक कार्य / बाढ़ संशोध्यत्मक कार्य / अन्य कार्यों के सफल निष्पादन हेतु Tractor Ambulance की आवश्यकता है। Tractor Ambulance के दर निर्धारण के लिए निम्नवत् विहित प्रपत्र में कोटेशनदाताओं से दर समर्पित करने हेतु अतिअल्पकालीन कोटेशन आमंत्रित किया जाता है :-			
क्र०	मशीन का विवरण	संख्या	दर/प्रतिदिन (₹0)
1	2	3	4
01	Procurement (Hire) of working and well conditioned Tractor Ambulance i.e., One number Tractor with trolley including Driver, Helper, Five numbers of Unskilled labour & One number of 5KVA generator with 4 Nos of flood light including all accessories and fuels.	01	
1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, खगौल। :-24.06.2026			
2. कोटेशन आमंत्रण की तिथि :- 08.07.2026 को अपराह्न 3:00 बजे अपराह्न तक			
3. कोटेशन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :- कार्यपालक अभियंता, सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, खगौल			
4. कोटेशन प्राप्त करने का स्थान इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वमेव उपरोक्त प्रपत्र में भरकर प्राप्त कराया जाए।			
5. कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय :- 08.07.2026, समय-3:30 बजे अपराह्न (ई० शशिरंजन कुमार)			
PR- 006713 (WRD) 2026-27			
निस्तु सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।			
नरो से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार			

संक्षिप्त खबरें

सेवानिवृत्ति पर डॉ प्रजापति को मिला शिक्षा शिखर सम्मान

गया। जगजीवन कॉलेज के फगुनी राम सभागार हॉल में कॉलेज के प्राचार्य डॉ सत्येंद्र प्रजापति के सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में एक भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे हैं।

इस समारोह के दौरान वक्ताओं ने डॉ. प्रजापति के शैक्षणिक योगदान और जेजे कॉलेज के प्रति उनकी निष्ठा की जमकर सराहना की है। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ सत्येंद्र प्रजापति के जीवन और उनके कु तित्व पर आधारित एक विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन रहा, इस अवसर पर बरसर डॉ पंकज कुमार सिंह ने उन्हें एक कुशल प्रशासक और शिक्षाविद बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में जेजे कॉलेज ने नित नई ऊंचाइयों को छुआ है। उनके कुशल नेतृत्व में जगजीवन कॉलेज में अकादमी क्षेत्र में ने कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इनके प्रशासनिक कार्य कुशलता के कारण जगजीवन कॉलेज को नैक के द्वारा बेहतर ग्रेडिंग दिया गया। शिक्षकों ने उनके व्यक्तित्व को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनके कार्य सदैव कॉलेज के मार्गदर्शन का काम करेंगे।डॉ. प्रजापति ने अपने संबोधन में कॉलेज परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके लिए यह कॉलेज केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह रहा है। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षकों से इसी समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया है।

अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ जनता दल यू ने पंचायत स्तर पर संवाद अभियान शुरू किया

गया जी।सात निश्चय-3 से आम आदमी लाभान्वित हो रहा है। जन समस्याओं का समाधान आसानी से हो रहा है। आम आदमी सुलियत महसूस कर रहा है। इन सभी पहलुओं पर अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ जनता दल यू पंचायत स्तर पर संवाद अभियान शुरू किया है। अतरी विधानसभा क्षेत्र के अतरी प्रखण्ड से संवाद अभियान डिहुरी पंचायत में 4 जुलाई, 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू किया जायेगा।

भाजपा का बुलडोजर और एनकाउंटर राज माफिया राज से कम नहीं : दीपंकर

■ **एनकाउंटर मॉडल खतरनाक है, इस पूरी अवधारणा के खिलाफ लड़ना होगा**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भाकपा (माले) के वरिष्ठ नेता, पूर्व बिहार राज्य सचिव तथा लंबे समय तक पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य रहे कॉमरेड नंदकिशोर प्रसाद (जमुना जी) की स्मृति में मंगलवार को पटना स्थित जगजीवन राम शोध संस्थान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सभा में भाकपा (माले) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, वरिष्ठ नेता स्वदे-श भट्टाचार्य, पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो, प्रभात कुमार, मीना तिवारी, वरिष्ठ नेता का. के. डी. यादव, बिहार राज्य सचिव का. कुणाल, भाकपा (माले) झारखंड राज्य सचिव मनोज भक्त, राउद के प्रधान महासचिव रणविजय साहू, विधान परिषद सदस्य शशि यादव, सांसद सुब्रमा प्रसाद, माकपा के वरिष्ठ नेता सर्वोदय शर्मा, बिहार महिला समाज की अध्यक्ष निवेदिता झा, फिलहाल की संपादक प्रीति सिन्हा, भाकपा के वरिष्ठ नेता रामलला सिंह तथा भाकपा (माले) के वरिष्ठ नेता बलदेव झा सहित अनेक नेता उपस्थित थे। इसके

गया हवाई अड्डे पर आयोजित किया गया एंटी हाईजैकिंग माक एक्सरसाइज



प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।षात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आज गया हवाई अड्डे पर विमानपत्तन समिति की बैठक व एंटी हाईजैकिंग माक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया

धरती के भगवान माने जाते हैं चिकित्सक सेवा-भावना से करें कार्य: डॉ प्रमोद चंद्रवंशी

चिकित्सक-दिवस पर सम्मानित किए गए अनेक चिकित्सक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। चिकित्सक धरती के भगवान माने जाते हैं। उनकी सेवाओं से संसार निरामय होता है। इसीलिए चिकित्सक सदा सम्मान के पात्र हैं। प्रत्येक चिकित्सक से सेवा की भावना से उपचार-कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। हमें विरासत में मिली हमारी प्राचीन-चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद एवं प्राचीन जीवन-पद्धति को अपनाना चाहिए। अपने विरासत पर हमें गर्व और उसकी शिक्षाओं पर आचरण करना चाहिए, जिसमें योग भी शामिल है।

यह बातें, चर्चित स्वयंसेवी संस्था नई दिशा परिवार के तत्वावधान में, मंगलवार को, राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की पूर्व संध्या पर बिहार इण्डस्ट्रीज एसोसिएसन सभागार



में आयोजित संगोष्ठी-सह-सम्मान समारोह का उद्घाटन करते हुए, बिहार के कला-संस्कृति मंत्री ने कही।

सुप्रसिद्ध चिकित्सक पद्मश्री डॉ० गोपाल प्रसाद सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह का संचालन संस्था के सचिव राजेश राज ने और अतिथियों का स्वागत संस्था के मुख्य

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार के लिए सरकार प्रयासरत : शिक्षा मंत्री बोले-मेधावी छात्र-छात्राओं की उपलब्धियां समाज के लिए प्रेरणास्रोत



शिक्षा मंत्री मंगलवार को राजधानी के मरचा-मरची रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर सैनिक स्कूल में आयोजित मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विद्या भारती, दक्षिण बिहार के तत्वावधान में आयोजित समारोह में सरस्वती शिशु मंदिरों के उन मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सीबीएसई बोर्ड की

राष्ट्र-सेवा का अनुपम उदाहरण है। वे बंगाल के मुख्यमंत्री रहते आदर्श शासन-व्यवस्था की नींव रखी। आज महंगी हो रही अंग्रेजी चिकित्सा-सेवा पर कई प्रश्न भी उठ रहे हैं। चिकित्सा-सेवा को व्यवसाय बनने से बचना होगा।

इस अवसर पर चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हेल्थ एक्सलेंसी अवार्ड से पद्मश्री डॉ. गोपाल प्रसाद सिन्हा , डॉ. (प्रो.) एस.अद्वैत कुण्ठा , डॉ. विद्याकर तेजस्वी, डॉ. अवधेश शर्मा, डॉ. तर्जनी शंकर, डॉ. ज्योति प्रकाश , डॉ. पूजा, डॉ. सीतेश कुमार कर्ण, डॉ. कुमार अभिनव , डॉ राजीव कुमार, डॉ. त्रिलोकी गोलवारा ,डॉ. अनिल कुमार (नवादा), डॉ. आर. पी. सिंह (होमियोपैथ चिकित्सक),डॉ. आर. के. गुप्ता ,डॉ. कौशल कुमार ,डॉ.

गयाजी से अयोध्या श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी में शामिल लोगों को बेनकाब करने के अभियान का

हुआ शुभारंभ

गया जी । विश्व के सैकड़ों करोड़ सनातनियों के आस्था, विश्वास का केंद्र अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के जिम्मेदार मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा करने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ट्रस्ट के महासचिव चमपत राय एवं ट्रस्टी अनिल मिश्रा का पुतला दहन मोक्ष- ज्ञान की नागरी गयाजी के स्थानीय चांदचौर- विष्णुपद तीन मुहानी के पास कांग्रेस पार्टी एवं श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति के संयोजक प्रो विजय कुमार मिट्टु ने कहा कि कार्यक्रम की अध्यक्षता गया जिला क्रिकेट कमिटी के अध्यक्ष रजनीश कुमार झुना ने किया तथा कार्यक्रम में शामिल विजय कुमार मिट्टु, स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि शशि किशोर शिशु, पूर्व जिला पार्षद सुमंत्र कुमार आदि थे

शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट शिक्षकों का होगा सम्मान

गया जी : डिस्ट्रिक्ट टीचर वेल्फेयर ट्रस्ट, गया की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को ट्रस्ट के सचिव अरविंद कुमार के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मनोज कुमार सिन्हा ने की। बैठक में सदस्यता के वार्षिक नवीनीकरण, शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सम्मान समारोह तथा ट्रस्ट की आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर आगामी 6 सितंबर को भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के सेवानिवृत्त सदस्यों का विदाई सह सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

बिहार के राज्यपाल से गोपीकृष्ण गोआश्रम प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट, गोसेवा कार्यों की सराहना



प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन से आज गोपीकृष्ण गोआश्रम, दनियावां के प्रतिनिधिमंडल ने लोकभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने दनियावां स्थित गोपीकृष्ण गोआश्रम द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं गोसेवा संबंधी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी महामहिम को दी। गोआश्रम द्वारा निराश्रित एवं बीमार गौवश के संरक्षण, उनके उपचार, बारे की व्यवस्था तथा समाज में गोसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को राज्यपाल ने अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना।

राज्यपाल ने गोपीकृष्ण गोआश्रम के सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि समाजहित और गोसंरक्षण के क्षेत्र में किया जा रहा यह कार्य अत्यंत प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। राज्यपाल ने गोपीकृष्ण गोआश्रम का शीघ्र ही भ्रमण करने की इच्छा भी व्यक्त की, ताकि वहाँ चल रहे सेवा कार्यों को प्रत्यक्ष रूप से देख सकें और गोआश्रम परिवार से संवाद कर सकें। गोआश्रम प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से गोसेवा एवं जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

अद्वैध वसूली एवं अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग, भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने अद्वैक्षण अभियान को सौंपा ज्ञापन

गया जी।भाजपा , गया जिला (पूर्वी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को गोल पत्थर विद्युत उपमंडल, गया जी में विद्युत उपभोक्ताओं से कथित अवैध वसूली, भयादोहन एवं विभिन्न अनियमितताओं के संबंध में साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (खटउठछ) के प्रबंध निदेशक सहित संबंधित अधिकारियों को विस्तृत शिकायत प्रेषित की है। साथ ही शिकायत की प्रति विद्युत अधीक्षण अभियंता, मगध प्रमंडल, गया को व्यक्तिगत रूप से सौंपकर मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि गोल पत्थर विद्युत उपमंडल के सहायक कार्यपालक अभियंता एवं उनके कथित एजेंट द्वारा नए विद्युत कनेक्शन, विद्युत तारों के रखरखाव एवं ऊंचीकरण, ऑनलाइन लोड बढ़ाने-घटाने सहित विभिन्न कार्यों के नाम पर उपभोक्ताओं से अनुचित लाभ लेने एवं मनमानी राशि की मांग किए जाने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर प्लांट निरीक्षण एवं सब्सिडी प्रक्रिया में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं। साथ ही विभिन्न सोलर एजेंसियों एवं उपभोक्ताओं को यह कहकर डराया एवं प्रताड़ित किया जा रहा है कि उन्होंने केवल अदानी या टाटा के सोलर पैनल ही क्यों नहीं लगाए। इससे अन्य भारत सरकार से रजिस्टर्ड कंपनियों के सोलर उत्पाद लगाने वाले उपभोक्ताओं एवं एजेंसियों में भय एवं असमंजस का वातावरण बन रहा है तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की छवि भी प्रभावित हो रही है।भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि पूरे मामले की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कर दीधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, जिससे विद्युत उपभोक्ताओं का विश्वास कायम रहे तथा भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो। इस अवसर पर भाजपा प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से विकास कुमार, जिला उपाध्यक्ष , एवं मानद प्रतिनिधि बंटी वर्मा जिला प्रवक्ताभाजपा गया जी जिला, तथा कृष्णा साहू अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा भाजपा गया जिला सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं।

टोटो से हो रही थाराब की ढोलार्ई, मोहल्ले वासियों हो रही दिक्कत

गया जी।गया शहर के रंगबाहुर रोड तेलबिधा मोड़ पर गेरे मानपुर से महुआ एवं शराब कि ढोलार्ई कि बात सामने आ रही है जो टोटो चालक गया शहर का नही है।कची यही टोटो चालक द्वारा मनमानी रोज किया जा रहा है।सुबह से नौ बजे तक फिर शाम और रात के दस बजे तक टोटो से महुआ शहर में सप्लाई किया जा रहा है उस टोटो का ना कोई कागज है नही ड्राईविंग लाइसेंस,नही गया जी का आधार जिससे लोग मोहल्ले वासियों को डर लगता है।



डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार



जुलाई माह में मत्स्य-पालकों द्वारा ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बातें



**बुडर तालाब में पूरक आहार का प्रयोग मछली के कुल शरीर भार का 2 से 3 प्रतिशत की दर से करें। बेहतर प्रजनक मछली तैयार करने के लिए प्रति कि०ग्रा० पूरक आहार में 10 ग्राम मिनरल मिक्चर एवं 5 ग्राम गट प्रोबायोटिक्स का प्रयोग करें।**

**मत्स्य बीज उत्पादक अपने हैचरी से राहु, कतला, मृगल, ग्रास कार्प, कॉमन कार्प एवं सिल्वर कार्प का स्पॉन उत्पादन गहन प्रबंधन से करना चालू रखें।**

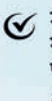
**नर्सरी तालाब में स्पॉन डालने के 15-20 दिनों के बाद ही रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें।**

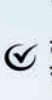
**नर्सरी तालाब की तैयारी के बाद स्पॉन का संचयन 15-20 लाख प्रति एकड़ की दर से करें।**

**रियरिंग तालाब की तैयारी के बाद फ्राई से फिगरलिंग बनाने हेतु फ्राई का संचयन 1.5 से 2 लाख प्रति एकड़ की दर से करें।**

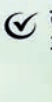
**तालाब में चूने का प्रयोग 15 दिनों के अन्तराल पर पी०एच० मान के अनुसार 10-15 कि०ग्रा०/एकड़ की दर से करें।**

**माह में एक बार जैविक खाद के रूप में मवेशी का गोबर 400 कि०ग्रा० / एकड़ या सरसों / राई की खल्ली 100 कि०ग्रा० / एकड़ एवं सिंगल सुपर फॉस्फेट/डी० ए०. पी० 15-20 कि०ग्रा० / एकड़ की दर से घोल कर छिड़काव करें। रासायनिक एवं जैविक उर्वरक के तालाब में छिड़काव के बीच का अन्तराल कम से कम 15 दिन का होना चाहिए। पानी ज्यादा हरा होने पर चूना एवं रासायनिक उर्वरक का प्रयोग बन्द कर दें।**

**जुलाई माह में बरसात का मौसम एवं आर्द्रता अधिक होने के कारण तालाब के पानी में घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा काफी कम हो जाने की संभावना बनी रहती है, इस समस्या से बचने के लिए शाम को तालाब के पानी को पंप सेट की मदद से तालाब में ही फैलाकर गिराएं या घुलनशील ऑक्सीजन बढ़ाने वाली दवा का प्रयोग 400-500 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 15 दिनों के अन्तराल पर सुखुह लगाए करें या सुबह-शाम 4-4 घन्टा तालाब में रेपेरेटर चलाये।**

**तालाब का पानी ज्यादा हरा होने पर 20 कि०ग्रा० प्रति एकड़ की दर से फिटिकरी /500-800 ग्रा० कॉपर सल्फेट का घोल कर छिड़काव करें।**

**मौसम खराब रहने पर तालाब में पूरक आहार का प्रयोग नहीं करें।**

**तालाब में मछलियों को संक्रमण से बचाव हेतु प्रति माह 400 ग्राम प्रति एकड़ की दर से पोटॉशियम परमेंगेनेट /अन्य 500 ml वाटर सैनिटाइजर का प्रयोग घोल कर करें।**

उत्तम प्रबंधन — बेहतर उत्पादन — सुनिश्चित मुनाफा



डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग (मत्स्य प्रभाग) बिहार सरकार द्वारा जनहित में प्रचारित

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. पिट्टर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. पिट्टर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, लिटर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित **संपादक- देवज प्रसाद राय** Mob.: 9212228045, 8130691216, (नोट- प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496